तापमान
अधिकतम 38.0 डिग्री
न्यूनतम 27.0 डिग्री

हरिभूमि
# जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 8 जून 2025

10 नमाज अता करके अल्ला ताला से बरकत व अमन...

10 नशा मुक्त जीवन का लिया संकल्प

## खबर संक्षेप

### पंचायत में मारपीट करने पर 11 के खिलाफ केस दर्ज

**जींद।** गांव बराहखुर्द में गौत्र विवाद को लेकर पंचायत में हुई मारपीट के दौरान दो लोगों के घायल होने पर सदर थाना पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव बराहखुर्द निवासी जयभगवान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस गांव के अंबेडकर भवन में समाज के लोगों की पंचायत हो रही थी।

### डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार की जान गई

**गुहला-चीका।** चीका पटियाला स्टेट हाई वे कैथल रोड पर डम्पर चालक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी और उसे बुरी तरह से कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बाइक सवार चौक की तरफ से आकर कैथल रोड़ की तरफ जा रहा था कि पीछे से तेज गति से आ रहे डम्पर चालक ने उसे बुरी तरह से कुचल दिया था।

### सिरसा में 11 को मनाई जाएगी कबीर जयंती

**जींद।** सिरसा में 11 जून को राज्यस्तरीय कबीर जंयती मनाई जाएगी। जिसकी तैयारियां चल रही है। धानक जनकल्याण मंच के प्रदेश अध्यक्ष संदीप खरकिया ने बताया कि जंयती में के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्यातिथि होंगे। कहा कि यह जंयती न केवल कबीर जी के विचारों का प्रचार करेंगी बल्कि समाज को एकता, भक्ति और भाईचारे का संदेश भी देगी।

### भूमि विवाद में करीब आधा दर्जन घायल

**कैथल।** भागल में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। भागल के चिरंजी लाल ने शिकायत में आरोप लगाया है कि 5 जून को गांव के ही रघुवीर, डिपाल, गुरप्रीत, लाल सिंह, हरविंदर, बलजीत, जगजीत और विमला देवी ने मिलकर उसे खेत में घुसकर उसके साथ मारपीट करते हुए उसे घायल कर दिया।

### सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित

**जींद।** डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों नामतःपद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री के लिए गृह मंत्रालय की ओर से ऑनलाइन नामांकन करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिसके लिए अंतिम तिथि 31जुलाई है। नामांकन पोर्टल अवार्डजीओवीइन पर ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएंगी।

### मारपीट में एक व्यक्ति घायल, शिकायत दर्ज

**कैथल।** कैथल के सिरटा रोड पर हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। सिरटा रोड के नरेश कुमार ने शहर पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 5 जून को जगा ने उसे पर गंडासी से हमला करते हुए उसे घायल कर दिया। सब इंस्पेक्टर बलजीत ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### गांव डोहानाखेडा से युवती लापता, केस

**जींद।** गांव डोहानाखेडा से युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर सदर थाना पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव डोहाना खेडा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बेटी बाहर नौकरी करती थी। गत 30 मई को वह घर आई थी। गत दिवस दोपहर को कार लेकर आया। गांव डूडवा निवासी आर्यन उसकी बेटी को जबरन अपने साथ ले गया।

### विवाहिता बगैर बताए घर से लापता, मामला दर्ज

**कैथल।** गुहला क्षेत्र से एक विवाहिता बिना बताए घर से चली गई। इस संबंध में गुहला क्षेत्र के तहत आने वाले गांव के एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 3 जून को गांव मटकालिया से उसकी पत्नी बिना बताए घर से चली गई।

# खेल नर्सरियों में तैयारी करने वाले खिलाड़ियों को नही मिली डाइट राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिले की खेल नर्सरियों में तैयारी करने वाले खिलाड़ियों को पिछले साल की डाइट राशि अभी तक नहीं मिली है और न ही कोच का भुगतान हुआ है। पिछले साल जिले में कुल 110 खेल नर्सरियां थी जिसमें 82 निजी और 28 सरकारी खेल नर्सरियां अलॉट थी। एक नर्सरी में 25 खिलाड़ी अभ्यास करते हैं। जबकि इस साल के सत्र में भी सरकारी खेल नर्सरियां तो अलॉट हो चुकी हैं और निजी खेल नर्सरियां अलॉट होना बाकी हैं। खेल विभाग की तरफ से आठ से 14 वर्ष के खिलाड़ियों को 1500 रुपये और 15 से 19 वर्ष के खिलाड़ियों को दो हजार की राशि दी जाती है। ऐसे में खिलाड़ी और कोच राशि आने का इंतजार कर रहे हैं।

**जींद।** खेल अकादमी में प्रेक्टिस करते हुए बच्चे।

### जल्द ही मिलेगी राशि : डीएसओ

जिला खेल अधिकारी रामपाल हुड्डा ने बताया कि जैसे ही खिलाड़ियों की डाइट राशि या कोच का मानदेय आएगा तो उन्हें अवगत करवा दिया जाएगा। खेल विभाग की ओर से अभी पिछले सत्र के खिलाड़ियों और सभी कोच का मानदेय और डाइट राशि नहीं मिली है। पिछले दिनों विभाग ने खिलाड़ियों और कोच की जानकारी मांगी थी, जिन्हें डाइट राशि या कोच को भुगतान नहीं हुआ है।

### पिछले साल जिले में थी 110 खेल नर्सरियां, कोच का भुगतान भी नही

| स्कूल का नाम खेल | | |
|---|---|---|
| राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल ईगराह कुश्ती | भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी कुश्ती | ग्राम पंचायत रामराय स्वीमिंग |
| राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल ईगराह कबड्डी | राजकीय मिडिल स्कूल अशरफ गढ़ हैंडबॉल | राप्रा स्कूल नगूरां कुश्ती |
| राजकीय कन्या हाई स्कूल बीबीपुर हैंडबॉल | रा कन्या सीसे स्कूल जुलाना बास्केटबॉल | दनौदा खुर्द जुडो |
| रा. मॉडल संस्कृति सीसे स्कूल सफीदों वेटलिफ्टिंग | राजकीय सीसे स्कूल गतौली बास्केटबॉल | ग्राम पंचायत देवरड़ बॉक्सिंग |
| रा. कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल उझाना वॉलीबॉल | पीएम श्री सीसेस्कूल लोधर एथलेटिक्स | कालवा स्पोर्ट्स अकादमी बॉक्सिंग |
| राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल नरवाना हॉकी | शहीद राममेहर सीसेकेंडरी स्कूल भौंगरा वुशू | ग्राम पंचायत बड़ौदी एथलेटिक्स |
| रा. सीनियर सेकेंडरी स्कूल रामराये स्वीमिंग | आरोही मॉडल सीसे स्कूल घसो खुर्द बॉक्सिंग | ग्राम पंचायत ढाकल कुश्ती |
| आरोही मॉडल संवमा स्कूल हसनपुर कुश्ती | राजकीय मिडिल स्कूल जुल्हेड़ा कबड्डी | ग्राम पंचायत खरकरामजी कबड्डी |
| राजकीय मॉडल संवमावि बेलरखां फुटबॉल | राजकीय मॉडल सं वमावि नगूरां वालीबॉल | हथवाला स्टेडियम कबड्डी |
| रा कन्या सीसे स्कूल डुमरखां खुर्द हॉकी | राजकीय मिडिल स्कूल ईगराह नेटबॉल | मिनी स्टेडियम अकालगढ़ कबड्डी |
| राजकीय हाई स्कूल पांडू पिंडारा बॉक्सिंग | राजकीय कन्या सीसेकेंडरी स्कूल सफीदों हॉकी | ग्राम पंचायत करेला एथलेटिक्स |
| रा. मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल नगूरां कुश्ती | राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक | ग्राम पंचायत उझाना एथलेटिक्स |
| राजकीय हाई स्कूल डूमरखां कलां फुटबाल | विद्यालय डिफेंस कॉलोनी बास्केटबॉल | ग्राम पंचायत जाजवान एथलेटिक्स |
| रा. सीनियर सेकेंडरी स्कूल रूपगढ़, जीतगढ़ आर्चरी | राजकीय मिडिल स्कूल गोसाईंखेड़ा वुशू | ग्राम पंचायत ढाकल एथलेटिक्स |
| राजकीय मॉडल सं वमावि उचाना कलां ऑर्चरी | इन ग्राम पंचायतों को मिली खेल नर्सरी | नगर परिषद नरवाना ऑर्चरी |
| राजकीय मॉडल सं वमावि उचाना कलां फुटबॉल | रा. सीनियर सेकेंडरी स्कूल ईगराह एथलेटिक्स | ग्राम पंचायत उझाना फु टबॉल |
| राजकीय स्कूल पोंकरीखेड़ी कबड्डी | रा. सीनियर सेकेंडरी स्कूल बीबीपुर फुटबाल | ग्राम पंचायत झमौला कबड्डी |
| | खेल युवा संगठन लिजवाना कलां कुश्ती | |

## राशि स्कूलों में छात्र संख्या के अनुसार जारी की जाएगी

# राजकीय विद्यालयों को जल्द मिलेगी ग्रांट, होंगे चकाचक

### नवंबर मास तक पूरी ग्रांट खर्च करनी होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

भारत सरकार द्वारा समग्र शिक्षा के तहत राजकीय स्कूलों के लिए स्कूल अनुदान (स्कूल ग्रांट) मिलेगी। जिसमें स्कूलों की साफ-सफाई, शिक्षण सहायक सामग्री (टीएलएम) और अन्य कार्यों के लिए उपयोग होगी। यह राशि स्कूलों में छात्र संख्या के अनुसार अलग-अलग जारी की जाएगी। इसके लिए हरियाणा शिक्षा परियोजना परिषद ने राजकीय स्कूलों के मुखिया के नाम पत्र जारी किया है। यह राशि पानी, बिजली, इंटरनेट के बिलों के भुगतान, स्कूल प्रांगण और भवन का रखरखाव एवं मरम्मत, पौधरोपण, स्कूल में मुख्य वार्षिक दिवसी सांस्कृतिक कार्यक्रमों व वार्षिक खेलों का आयोजन, स्कूल प्रबंधन कमेटी बैठक को लेकर खर्च की जाएगी। परिषद का प्रयास है कि राजकीय स्कूलों में पीने का पानी, शौचालय की साफ -सफाई, शौचालयों में पानी की व्यवस्था को ठीक रखा जाए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि वर्ष भर शौचालय और पीने के पानी की व्यवस्था ठीक व क्रियाशील रहे। हरियाणा शिक्षा परियोजना परिषद ने निर्देश दिए हैं कि स्कूलों को मिलने वाली ग्रांट का उपयोग अगस्त माह तक 80 प्रतिशत और नवंबर मास तक पूरी ग्रांट खर्च कर लें। यदि स्कूल को आवश्यकता है तो संपूर्ण स्कूल ग्रांट किसी भी माह (नवंबर) से पहले कर सकते हैं। स्कूल प्रबंधन समिति को इस बात की तरफ विशेष ध्यान देना होगा कि शौचालयों की साफ-सफाई रखरखाव व सुरक्षित पेयजल सुविधा को प्राथमिकता दी जाए। जिस जगह पर थोड़ी मरम्मत का कार्य किया जाना है वहां कार्य करवाने से पहले और बाद में हुए परिवर्तन के फोटो रिकॉर्ड में अवश्य रखें।

### प्राथमिक स्कूलों के लिए ग्रांट का उपयोग

| छात्र संख्या | स्वच्छता कार्य योजना | टीएलम प्रयोग | अन्य कार्यों में ग्रांट |
|---|---|---|---|
| 1 से 30 | 1000-2000 | 7000 | 10000 |
| 31 से 100 | 2500-5000 | 17500 | 25000 |
| 101 से 250 | 5000-10000 | 35000 | 50000 |
| 251 से 1000 | 7500-15000 | 52500 | 75000 |
| 1000 से अधिक | 10000 | 20000 | 70000 100000 |

| छात्र संख्या | मिडिल | हाई | वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल |
|---|---|---|---|
| 1 से 30 | 1000-1000 | 8000 | 10000 |
| 31 से 100 | 2500-2500 | 20000 | 25000 |
| 101 से 250 | 5000-5000 | 40000 | 50000 |
| 251 से 1000 | 7500-7500 | 60000 | 75000 |
| 1000 से अधिक | 10000 | 10000 | 80000 100000 |

### साफ-सफाई पर खर्च करनी होगी

खंड शिक्षा अधिकारी राजपाल देशवाल ने बताया कि प्रतिवर्ष राजकीय स्कूलों के लिए हरियाणा शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा समग्र शिक्षा अभियान के तहत ग्रांट जारी की जाती है। यह राशि समग्र शिक्षा अभियान की ओर से खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के पास भेजी जाती है। इसके बाद खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से यह ग्रांट स्कूलों को भेज दी जाती है। जिससे स्कूल में वार्षिक रखरखाव और अन्य कार्यों के लिए उपयोग किया जाता है। जैसे ही राशि खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के पास आएगी तो वह स्कूलों को वितरित कर दी जाएगी।

# राजौंद : गति अवरोधकों पर सफेद पट्टी न होने से बढ़ रहे हादसे, लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजौंद के जींद रोड वार्ड नंबर 7 में स्थित मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल के पास ब्रेकरों पर चिन्हित न होने के कारण आए दिन घटना घट रही है। कई बार अनजान वाहन चालक यहां चोटिल हो चुके हैं। क्योंकि ब्रेकरों पर कोई भी निशान नहीं दिए गए हैं। जिससे अनजान वाहन चालकों को इनका पता ही नहीं चलता। छोटे-छोटे बच्चे यहां शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। जिससे उनके अभिभावकों को घटना होने का अंदेशा बना रहता है। इन ब्रेकरों को जबसे बनाया गया है तभी से कोई भी चिन्हित नहीं किए गए है। इस बारे स्थानीय दुकानदार रमेश चौहान, केहर राणा, विक्रम प्रभाकर,राजकुमार बंसल, सतपाल मित्तल, गोरी राणा, नानक फौजी, प्रदीप, विजय, मास्टर दलवीर, पवन मित्तल, कर्मवीर मुंडे ने कहा कई बार संबंधित विभाग को भी अवगत करवा चुके हैं परंतु इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। जिसे लेकर लोगों में भारी रोशन रहा है। इस बारे वार्ड नंबर 7 की पार्षद कर्मावती ने बताया कि लोगों ने उनके सामने भी यह समस्या रखी थी। जिसे लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है।

**राजौंद।** जींद मार्ग पर बिना चिन्हित बनाए गए ब्रेकरों का दृश्य।

### मकान में लगी आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

**जींद।** इंदिरा बाजार के निकट बीती रात मकान में शार्ट सर्किट से आग भड़क उठी। आग से फ्रिज का कंप्रेशर फट गया। घटना की सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाया लेकिन तब तकबिजली उपकरण, मकान की फिटिंग जल चुकी थी। इंदिरा बाजार निवासी राजबीर के मकान में बीती रात शॉर्ट सर्किट से आग भड़क उठी। जिस से घर में लगी बिजली फिटिंग जलने लगी। परिवार के लोगों ने बाहर निकल शोर मचाया तो पड़ोसी मौके पर पहुच गए और आग पर काबू पाने की कोशिश की। उसी दौरान रसोई में रखा फ्रिज का कंप्रेशर फट गया और तेजी से फैलने लगी। सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाया। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक लकड़ी की अलमारी, एसी, आरओ, रसोई की फिटिंग जल गई। गनीमत यह रही कि परिवार के लोग सुरक्षित रहे।

# जमीन की खरीद फरोख्त में १० लाख हड़पे, पिता-पुत्र के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कलायत पुलिस ने जमीन की खरीद फरोख्त में 20 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में पिता पुत्र के खिलाफ मामला दर्ज किया है।इस संबंध मं गांव खेड़ी शेरखां के राम मेहर ने बताया कि उसकी बातचीत नवंबर 2024 में गांव के नरेश कुमार के साथ हुई। नरेश कुमार ने उसे बताया कि गांव खेड़ी में उनकी उनकी तीन एकड़ भूमि है। वह अब कुरुक्षेत्र में रह रहे हैं इसलिए उस भूमि को बेचना चाहते हैं। इसे ले कर उनका 31 लाख 20000 प्रति एकड़ की दर से सौदा तय हो गया। इसके बाद 23 नवंबर 2024 को जमीन के बयानस राशि 20 लाख रुपये 25 नवंबर 2024 को देने तय हुए। 23 नवंबर को ही मौके पर ही उसने आरोपी विक्रम और उसके पिता दया किशन को 6 लाख रुपए की राशि दे दी तथा बकाया की 14 लाख रुपए की राशि 25 नवंबर को देने की बात हुई। बाद में जब 26 नवंबर को वह बयाना लिखवाने के लिए तहसील कार्यालय कलायत पहुंचे तो उसे समय दया किशन ने कहा कि वह किसी काम से बाहर गया हुआ है ऐसे में उसका बेटा नरेश ही उसके स्थान पर आपका बयाना लिखवा देता है। इस पर उसने आरोपी नरेश कुमार को बयाना की बकाया 14 लख रुपए की राशि में दे दी। बाद में उनका 30 अप्रैल 2025 को रजिस्ट्री की तिथि तय की गई।

# 1.32 करोड़ हड़पने का आरोप, कम्पनी के दो निदेशकों पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

- परियोजना में लगात ज्यादा होने की बात कह कर दूसरी कंपनी से ली राशि उधार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

परियोजना में ज्यादा लागत की होने तथा दूसरी कंपनी से एक करोड़ 32 लाख 69 हजार 193 रुपये उधार ले हडपने का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने कंस्ट्रक्शन कंपनी के दो निदेशकों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोपितों द्वारा दिए गए चैक भी खाता ब्लॉक होने के कारण कैश नही हो पाए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अर्बन एस्टेट निवासी राजेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी परफेक्ट इंफ्रा माइस के नाम से कंपनी है। वर्ष 2023 मे जेडीसीसी टेक्नो प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक गुरुग्राम निवासी संदीप गिरी तथा दिल्ली निवासी भाग्यश्री ने उससे संपर्क किया। आरोपितों ने बताया कि वे आधा दर्जन कंपनियों के निदेशक हैं। जिस पर आरोपितों ने विश्वास दिलाते हुए अपने झांसे में ले लिया और कंपनियों में सांझेदारी का भी ऑफर किया। परियोजना में शामिल होने पर मुनाफे का झांसा भी दिया। आरोपितों ने कंपनी को रुपये की सख्त जरूरत बताया और राशि देने के लिए दबाव डाला। जिस पर उसने कुछ राशि उधार देने की हां कर दी। जिसके बाद उसने आरोपितों के खाते में एक करोड़ 64 लाख 44 हजार 758 रुपये ट्रांसफर कर दिया। आरोपितों ने केवल 31 लाख 75 हजार 565 रुपये वापस लौटाए। आरोपितों की तरफ उसके एक करोड़ 32 लाख 69 हजार 193 रुपये बकाया रह गए।

### मामले की जांच जारी

सिविल लाइन थाना पुलिस ने राजेश की शिकायत पर संदीप गिरी तथा भाग्यश्री के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सिविल लाइन थाना के जांच अधिकारी संदीप कुमार ने बताया कि राशि हडपने का आरोप लगाते हुए शिकायत दी थी। फिलहाल महिला समेत दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

## साढ़े पांच मीटर होगी चौड़ाई, सीआरएसयू के बाहर लगेंगी लाइट

# विवि से हमेटी तक 1.35 करोड़ से बनेगा अप्रोच रोड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सीआरएसयू से हमेटी तक अप्रोच रोड का निर्माण होगा। इसके लिए सीआरएसयू ने टेंडर जारी किया है। इस सड़क निर्माण पर एक करोड़ 35 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। इसकी लंबाई 678 मीटर की होगी। सीआरएसयू के सामने इस सड़क पर लाइट भी लगाई जाएंगी ताकि सीआरएसयू का सुंदरीकरण किया जा सके। सीआरएसयू से हमेटी तक जाने के लिए फिलहाल मुख्य मार्ग से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व आमजन को जाना पड़ता है। यहां पर वाहनों का आवागमन भी ज्यादा है। अब इसके लिए अलग से सड़क का निर्माण होगा। यह लिंक रोड बनाया जाएगा। इसके लिए सीआरएसयू ने टेंडर जारी किए हैं। जल्द ही इसकी बिड भी ओपन होगी। इसके बाद टेंडर अलॉट कर दो महीने में सड़क का निर्माण करवाया जाना है। इस लिंक रोड की चौड़ाई साढ़े पांच मीटर की होगी। इससे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व हमेटी के कर्मियों को राहत मिलेगी। मुख्य मार्ग पर होने वाली दुर्घटनाओं से भी बचाव होगा। विश्वविद्यालय में प्रतिदिन लगभग दो हजार विद्यार्थियों का आवागमन रहता है। इनके लिए भी यह बड़ी सुविधा होगी। इस सड़क के निर्माण से ऑटो व ई रिक्शा चालकों तथा विश्वविद्यालय व हमेटी में प्रवेश करने के लिए मुख्य मार्ग को क्रॉस करने में होने वाली परेशानी से छुटकारा मिलेगा। फिलहाल मुख्य मार्ग से बड़े वाहन गुजरने के लिए इसको क्रॉस करने में कर्मियों व विद्यार्थियों को परेशानी का सामान करना पड़ता है। सीआरएसयू रजिस्ट्रार लवलीन मोहन ने बताया कि सीआरएसयू के मुख्य गेट से हमेटी के मुख्य गेट तक लिंक रोड के लिए टेंडर लगाया है। जल्द ही इसकी बिड ओपन होगी। इसके बाद इस टेंडर को अलॉट कर दिया जाएगा।

सीआरएसयू विश्वविद्यालय।

# नरवाना में नगर परिषद रोड पर बने डायग्नोस्टिक सेंटर का किया उद्घाटन

- मंत्री बेदी धन्यवादी दौर पर पहुंचे दडा मोहल्लाए लोगों को किया सम्बोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

शुक्रवार देर शाम को नगर परिषद वाली गली में अग्रवाल समाज द्वारा बनाए गए मगलम डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन कियाएयह सेंटर स्वण अमृत लाल मित्तल की याद में अग्रवाल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित किया जाएगा। यह प्रधान आर पी गुप्ता की रहनुमाई में काम करेगा।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री बेदी ने अग्रवाल समाज की सराहना की और उसके इस नेक कार्य में हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया। उसके बाद शांडिल्य परिवार द्वारा दिये गये चाय पानी के कार्यक्रम में पहुंच कर विधानसभा चुनाव में जीत दिलवाले के लिए शांडिल्य परिवार का धन्यवाद किया। शांडिल्य परिवार द्वारा दिये गये मांग पत्र के बारे में कहा कि पहले सरकार द्वारा दी 20.5 लाख सरकारी ग्रांट का प्रयोग करने बारे कहा उसके बाद आगे जरूरत पडऩे पर और ग्रांट देने का भी आश्वासन दिया।

## खबर संक्षेप

### नागरिक अस्पताल में किया पौधरोपण

**जींद।** नागरिक अस्पताल उचाना की पुरानी बिल्डिंग में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डा. कृष्ण श्योकंद एएमओ की अगुवाई में स्टाफ सदस्यों द्वारा पौधारोपण किया गया। डा. श्योकंद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण कितना जरूरी है इसका अंदाजा बढ़ती ग्लोबल वार्मिंगए मौसम में असामान्य बदलावए विलुप्त होते प्राणियों की संख्या से लगाया जा सकता है। इस खास दिन को हर साल एक खास थीम के साथ मनाया जाता है।

### गांव अलेवा में बाड़े से पशु चोरी, मामला दर्ज

**जींद।** गांव अलेवा में बीती रात चोरों ने पशुबाड़े से भैंस को चोरी कर लिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव अलेवा निवासी खजान सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात वह पशुबाड़े के साथ कमरे में सोया हुआ था। रात को चोरों ने उसकी भैंस को चोरी कर लिया। घटना का सुबह उस समय पता चला जब वह पशुओं को चारा डालने पहुंचा। अलेवा थाना पुलिस ने खजान सिंह की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### सुरेश मलिक वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनित

**जींद।** इनेलो कार्यालय में हलका प्रधान सुखजिंद्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य वक्ता पूर्व विधायक रामफल कुंडू व जिलाध्यक्ष विजेन्द्र ने बताया कि जींद के सभी हलकों की कार्यकारिणी तैयार करने की प्रक्रिया चली है। नरवाना हल्के की कार्यकारिणी पहले ही घोषित हो चुकी है और इस बैठक में हलका जींद की कार्यकारिणी को घोषित किया गया। सुरेश मलिक को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सरपंच अनिल मांडो को प्रधान महासचिव बनाया है।

### बैठने की जगह को लेकर मजदूरों की हड़ताल जारी

**नरवाना।** शहर के बीच भगतसिंह चौंक पर पांच दिनों से मजदूर भूख हड़ताल पर बैठे हैं कोई सुध लेने वाला नहीं हालांकि कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी की गाड़ियों का काफिला भी इसी चौंक से होकर गुजरता है लेकिन उन्होंने भी इन गरीब मजदूरों की कोई सुध नहीं ली उन्होंने ये भी नहीं पुछा भाई तुम क्यों शहीदों के चौंक पर टेंट लगाकर बैठे हो। दिहाड़ी दार मजदूरए दिहाड़ी पर न जाकर भूख हड़ताल पर बैठे हैं लेकिन किसी का ध्यान इस ओर नहीं जा रहा है।

### लोकेशन आधारित हाजिरी के आदेश का किया विरोध

**जींद।** बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसो ने सरकार के उस निर्णय पर कडा एतराज जताते विरोध प्रकट करने का निर्णय लिया है जिसमे चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मचारियों को मोबाइल के माध्यम से जियो फेन्सिग लोकेशन आधारित उपस्थिति दर्ज करने के आदेश दिए गए थे। एसो ने महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं के अलावा सीएम स्वास्थ्य मंत्री सहित तमाम उच्च अधिकरियों को पत्र लिख कर स्वास्थ्य कर्मचारियों की भावनाओं से अवगत करवा दिया है।

### हिंदू कन्या महाविद्यालय में दाखिला प्रक्रिया जारी

**जींद।** हिंदू कन्या महाविद्यालय में सत्र 2025-26 के लिए गत 19 मई से दाखिले के लिए नामांकन प्रक्रिया निरंतर चल रही है। नौ जून को ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि है। नौ जून को दिए गए आवेदनों में त्रुटि संशोधन 10 जून तक किया जाएगा। तत्पश्चात 19 जून को प्रथम मेरिट लिस्ट घोषित होगी एवं 26 जून को दूसरी मेरिट लिस्ट निकाली जाएगी। बची हुई सीटों के लिए एक जुलाई से फिजिकल काउंसलिंग प्रारंभ होगी।

### जाट धर्मशाला में बसपा का सम्मेलन संपन्न

**जींद।** जाट धर्मशाला में रविवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का प्रदेशस्तरीय सम्मेलन प्रदेशाध्यक्ष कृष्ण जमालपुर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इसमें मुख्यअतिथि के तौर पर राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल ने शिरकत की जबकि प्रदेश प्रभारी विशाल गुर्जर मौजूद रहे। बसपा प्रभारी एवं कोऑर्डिनेटर रणधीर सिंह ने कहा कि जिला की कार्यकारिणी का जल्द से जल्द गठन किया जाए।

## जिलेभर में धूमधाम से मनाया ईद उल अजहा पर्व

# नमाज अता करके अल्ला ताला से बरकत व अमन चैन की दुआ मांगी

दगाह के निकट पुलिस बल व खुफिया एजेंसियों के लोगों ने लगातार निगाहें जमाए रखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिलेभर में शनिवार को ईद उल अजहा (बकरीद) पर्व श्रद्धा एवं विश्वास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर इस्लाम धर्म के अनुयायियों ने हांसी ब्रांच नहर के निकट जामा मस्जिद ईदगाह में नमाज अता करके अल्ला ताला से बरकत तथा अमन चैन की की दुआ मांगी। इस अवसर पर मेले का भी आयोजन किया गया। मस्जिद के बाहर खिलौनों, मिठाईयों, चाट पकौड़ी की दुकाने सजाई गई थी। नमाज अता करने के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने जम कर खरीददारी की व एक दूसरे को ईद की बधाई दी। ईद-उल-जुहा (बकरीद) पर्व को देखते हुए ईदगाह के निकट पुलिस बल तथा खुफिया एजेंसियों के लोगों ने लगातार निगाहें जमाए रखी। हांसी ब्रांच नहर के निकट ईदगाह में ईद-उल-जुहा (बकरीद) पर नमाज अता करने के लिए इस्लाम धर्म के अनुयायी शनिवार सुबह से ही ईदगाह में जमा होना शुरू हो गए थे। मुस्लिम समाज के प्रधान मोहम्मद दीन की अध्यक्षता में हजारों की संख्या में मुसलमानों ने नवाज अता की तथा सदका, फितरा, जकात जमा कराई, वहीं गरीबों को दान दिया। जामा मस्जिद के इमाम ने मुस्लिम समुदाय के लोगों को नमाज पढ़ाई तथा भाइचारे को मजबूत करने व विश्व शांति, कौमी एकता की दुआ अल्लाताला से मांगी। इस मौकेपर उन्होंने कुरान की आयतें पढ़ीं। बाद में सभी ने एक दूसरे को गले मिल कर ईद-उल-जुहा (बकरीद) की बधाई दी तथा सुखद भविष्य की कामना की। ईद के त्योहार पर मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा विश्व में अमन चैन की दुआ मांगी गई। कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा डिप्टी स्पीकर के बेटे रूद्राक्ष मिड्ढा ने अपने भाषण में हिंदू, मुस्लिम, सिख समाज को भाईचारा बढ़ाने का संदेश दिया। ईद का त्यौहार हमें भाईचारे का संदेश देता है, जिससे मिल जुल कर रहने की प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर मेले का भी आयोजन किया गया। मस्जिद के बाहर खिलौनों, मिठाइयों, चाट पकौड़ी की दुकाने सजाई गई थी।

### एक दूसरे को गले मिलकर दी पर्व की बधाई

जींद। नमाज अता करते मुस्लिम समाज के लोग। फोटो :हरिभूमि

### मुस्लिम समाज के लोगों ने जमकर खरीदारी की

नमाज अता करने के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने जमकर खरीददारी की व एक दूसरे को ईद की बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह त्यौहार हजरत इब्राहिम व इस्माइल की याद में मनाया जाता है। यह त्यौहार आपसी भाईचारे का त्यौहार है। इसके बाद नमाज अदा की और सबने आपस में ईद मुबारकबाद दी। देश में तरक्की व अमन चैन के लिए विशेष दुआ मांगी गई।

जींद। बड़ौदा गांव में किसानों को जानकारी देते विशेषज्ञ तथा किसान साथी।

## राष्ट्रव्यापी कृषि पहल से किसान वर्ग हो रहा लाभांवित : डॉ. केएन

- गांव-गांव पहुंच कर कृषि वैज्ञानिक किसानों को दे रहे जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राष्ट्रीय पशु अनुवांशिक संसाधन ब्यूरो से डा. केएन राजा ने बताया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान किसानों के लिए एक क्रांतिकारी कदम साबित होगा। इस राष्ट्रव्यापी कृषि पहल में पूरे देश का किसान वर्ग गांव-गांव जाकर किसानों से मिल रहे कृषि वैज्ञानिकों से मिलकर अपनी समस्याओं का निदान पा लाभांवित हो रहा है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा भारतीय परिषद कृषि अनुसंधान, नई दिल्ली के दिशा-निर्देशानुसार यह अभियान 29 मई से 12 जून तक जारी रहेगा। डा. राजा ने बताया कि ये अभियान किसानों की जरूरतों के साथ अत्याधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान को जोड़ेगा। पशुओं में नस्ल सुधार व अनुवांशिक गुणों के बारे में जानकारी दी। शनिवार को उचाना कलां, खटकड़ व बड़ौदा गांव में वे कृषि विज्ञानियों के साथ किसानों से संवाद किया। राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल से वैज्ञानिक डा. अजमेर सिंह कुंडू ने किसानों को डेयरी उद्योग व डेयरी से संबंधित नए रोजगारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के एसडीओ डा. बलजीत लाठर तथा डा. बालमुकुंद कौशिक ने किसानों को डीएआर के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि मिट्टी पानी की जांच करवाएं तथा फसल चक्र अपनाएं। विस्तार शिक्षा वैज्ञानिक डा. पवन भुक्कल तथा डा. प्रीति मलिक ने मिट्टी पानी की जांच एवं नमूनों को लेने के तरीकों, प्राकृतिक खेती बारके बारे में जानकारी दी। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय से वैज्ञानिक डा० सतीश मांडा ने मशीनों के रख-रखाव व प्रयोग की जानकारी दी। इंजीनियर रवि ने किसानों को मशीनों के रखरखाव की जानकारी प्रदान की। वैज्ञानिक डा. संदीप सिहाग ने धान की विभिन्न किस्मों तथा इसमें आने वाले खरपतवारों के प्रबंधन की जानकारी दी।

## 62 गांवों की जमाबंदी होगी अपडेट

- रिकॉर्ड होगा ऑनलाइन अपडेट, ठीक करवाई त्रुटियों की मिलेगी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिले के 62 गांव की जमाबंदी अपडेट होने जा रही है। इन गांवों की जमीन का रिकॉर्ड ऑनलाइन अपडेट किया जाएगा। ऐसा होने से उन्हें ठीक करवाई गई त्रुटियों के बारे में जानकारी मिल सकेगी। जमीन का रिकॉर्ड ऑनलाइन करने का काम जिला राजस्व विभाग ने शुरू कर दिया है। कर्मचारियों को भी ट्रेनिंग दी गई है। प्रदेश सरकार की हिदायत के अनुसार हर साल जिले की 20 प्रतिशत जमीन का रिकॉर्ड ऑनलाइन अपडेट करना होता है। इस बार जिले के 62 गांव चुने गए हैं। पिछले पांच साल में जितनी भी जमीन खरीद-फरोख्त हुई है, राजस्व विभाग ने जमीन की जमाबंदी का रिकॉर्ड अपडेट करने का कार्य शुरू कर दिया है। पिछले साल 61 गांव की जमाबंदी का रिकॉर्ड अपडेट किया गया था। जमाबंदी के रिकार्ड का कन्साइनमेंट (अपडेट) करने का लाभ यह होगा कि लोगों को अपनी जमीन का इंतकाल निकलवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जमीन से संबंधित किसी कार्य के लिए जमाबंदी की नकल से ही काम चल जाएगा। कोर्ट से संबंधित मामलों में जमानत के लिए भी इंतकाल के बजाय जमाबंदी नकल की जरूर पड़ेगी। जींद ब्लॉक के 17 गांव की जमीन का रिकॉर्ड ऑनलाइन अपडेट किया जाएगा। जिनमें जींद, तेग बहादुर, लखमीरवाला, सिंधवीखेड़ा, बरसोला, पड़ाना, राजपुरा, झांझखुर्द, रूपगढ़, ईक्कस, बिरोली, ढिगाना, बरहा कलां, खरकरामजी, रामराये, किनाना और जाजवान शामिल किए हैं। अलेवा ब्लॉक के आठ गांव शामिल किए हैं, जिनमें गोहियां, पेगां, जीवनपुर, बधानाए रायचंदवाला, नगूरां, थुआ, अलेवा गांव शामिल हैं। इसके अलावा उचाना ब्लॉक के डूमरखां कलां, बडऩपुर, भगवानपुरा, उचाना खुर्द, काकड़ोद, बड़ौदा, घोघडिय़ा और खटकड़ गांव हैं। जुलाना ब्लॉक के तीन गांव लिजवाना खुर्द, गतौली और कमाचखेड़ा गांव शामिल हैं। नरवाना ब्लॉक के 11 गांव सुरजाखेड़ा, लोहचब, खानपुर, लोन, सच्चाखेड़ा, सैंथली, धमतान साहिब, खरल, ढाबी टेकसिंह, पदार्थखेड़ा और गुरुसर गांव है।

### इशान को एम्स एमडी प्रवेश परीक्षा में प्रदेश में अव्वल आने पर दी बधाई

**जींद।** ईशान गर्ग को एम्स एमडी प्रवेश परीक्षा में हरियाणा में प्रथम आने पर अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल ने बधाई दी है। गोयल ने ईशान को शुभकामनाएं देते कहा कि ईशान जैसे होनहार युवाओं की सफलता से समाज का मान बढ़ता है। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। गोयल का कहना है कि पिल्लूखेड़ा मंडी में कपड़े के व्यापारी संजय गर्ग के बेटे ईशान गर्ग ने ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा आयोजित एमडी प्रवेश परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते जहां हरियाणा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है वहीं राष्ट्रीयस्तर पर 135वां स्थान हासिल किया है जोकि अत्यंत गर्व की बात है। ईशान गर्ग ने एमबीबीएस की पढ़ाई पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय रोहतक से पूरी की थी। पढ़ाई के प्रति उनकी निष्ठा और मेहनत ने उन्हें यह उपलब्धि दिलाई है। ईशान की इस सफलता पर क्षेत्र में खुशी की लहर है।

## नशा मुक्त जीवन का लिया संकल्प

- विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

नशे के विरुद्ध प्रतिदिन हरियाणा के विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उप निरीक्षक डा. अशोक कुमार वर्मा साइकिल के साधन का प्रयोग करते हुए एक शहर से दूसरे शहर और गांव तक जाकर नशे के विरुद्ध जागरूक कर रहे हैं। शनिवार को 15 हरियाणा बटालियन एनसीसी द्वारा जींद में आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उप निरीक्षक डा. अशोक कुमार वर्मा मुख्य रूप से पहुंचे हुए थे। एनसीसी 15 हरियाणा बटालियन के कमांडिंग अफसर कर्नल जगज्योत सिंह ढोड़ी की अध्यक्षता में नाश के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्यूरो द्वारा आयोजित नशे के विरुद्ध 33 वें जागरूकता कार्यक्रम में 496 कैडेट्स, 45 एनसीसी प्रशिक्षक और 18 अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया। अशोक कुमार वर्मा ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए बताया कि विधि के अनुसार नशे दो प्रकार के हैं। एक प्रतिबंधित और दूसरे चेतावनीयुक्त। यद्यपि दोनों प्रकार के नशे मनुष्य के लिए घातक हैं।

जींद। कार्यक्रम में शपथ लेते हुए कैडेट्स। फोटो :हरिभूमि

जींद। समर कैंप में भाग लेते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

### हिंदी-अंग्रेजी लेखन पर कक्षा आयोजित

**जींद।** यदुवंशी स्कूल में ग्रीष्मकालीन शिविर का सातवां दिन उत्साहपूर्वक जारी रहा। इस दिन बच्चों के लिए हिंदी और अंग्रेजी सुंदर लेखन पर विशेष कक्षाओं का आयोजन किया गया। कक्षाओं का उद्देश्य बच्चों की लिखावट को बेहतर बनाना और शब्दों की सही संरचना को सिखाना था। इस सत्र में प्रतिभागी बच्चों ने हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में सुलेख की बारीकियों को जाना। प्रशिक्षकों ने बच्चों को अक्षरों की बनावट, सही दिशा और संतुलन के साथ शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और सुंदर हस्तलेखन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए। इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों की भाषा और लेखन कौशल को बेहतर बनाने में मदद करती हैं। शिविर के आगामी दिनों में और भी रोचक एवं शैक्षिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

## सर्वखाप जन कल्याण मंच किसान यूनियन ने एक देश-एक चुनाव अभियान का किया समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सर्वजातीय खाप पंचायत के राष्ट्रीय संयोजक व जनकल्याण मंच व भारतीय किसान मजदूर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष टेकराम कंडेला ने राष्ट्रीय मुख्यालय पर बोलते कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक देश एक चुनाव की जो मुहिम चलाई है, यह देश के लिए सराहनीय काम है। जिससे देश में आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और विकास की गति तेज होगी। हमारा संयुक्त संगठन नशा मुक्त हरियाणा, किसानों को लाभकारी भाव दिलाना, प्राकृतिक खेती एवं मोटी फसलों को बढ़ावा देना, लीव इन रिलेशनशिप को बंद करवाना, एक गांव एक गोत्र में शादी पर रोक लगाना, पर्यावरण को बचाने के लिए हर एक पदाधिकारी को पांच-पांच पौधे लगाना आदि सभी मुद्दों को लेकर लंबे समय से राष्ट्रीय स्तर पर कार्य कर रहा है। टेकराम कंडेला ने कहा कि इन सभी मुद्दों को मजबूती से उठने के लिए प्रदेश स्तर पर दो टीमों का गठन किया गया है। एक टीम का नेतृत्व जन कल्याण मंच व भारतीय किसान मजदूर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष राममेहर कंडेला करेंगे। दूसरी टीम का नेतृत्व जन कल्याण मंच व भारतीय किसान मजदूर यूनियन के युवा प्रदेश अध्यक्ष सुनील शिवाच करेंगे। संयुक्त संगठन के प्रेस प्रवक्ता सुलतान कंडेला ने बताया कि इन मुद्दों को उत्तरी भारत में मजबूती से उठाने के लिए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष टेकराम कंडेला की जुलाई के महीने में राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हिमाचल राज्यों का दौरा करेंगे मुद्दों को मजबूती देने के लिए और संगठन को मजबूत करेंगे। हजूरा सिंह, कृष्ण नंबरदार, सुरेश बोहतवाला, अजमेर दालमवाला, मेहताब सिंह, रामकिशन, लीला आदि मौजूद रहे।

जींद। कैंप में भाग लेते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

### समर कैंप का रंगारंग समापन

**जींद।** सुप्रीम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दो से सात जून तक आयोजित सात दिवसीय समर कैंप का रंगारंग समापन समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यार्थियों ने कैंप के दौरान सीखी गतिविधियों का शानदार प्रदर्शन कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत, योग, आर्ट एंड क्राफ्ट, सुलेख, पब्लिक स्पीकिंग और वाद्य संगीत जैसी बहुआयामी कलाओं में अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली परिचय दिया। विद्यालय का संपूर्ण परिसर ऊर्जा, रचनात्मकता और तालियों की गूंज से सराबोर रहा। समारोह की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के निदेशक शरत अत्री ने कहा समर कैंप विद्यार्थियों को केवल मनोरंजन नही बल्कि नवाचार, आत्म अभिव्यक्ति और रचनात्मकता के अवसर देता है।

**स्वागत** | जींद पहुंचने पर हरियाणा सूचना आयुक्त का हुआ भव्य स्वागत

आज सफीदों नगर की सैनी धर्मशाला में विशाल समारोह का आयोजन किया जाएगा

# शासन की पारदर्शिता और संविधान के प्रति सरकार पूरी तरह से वचनबद्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का यही उद्देश्य है कि अंतिम पंक्ति में खड़े हर जरूरतमंद व्यक्ति को जहां सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित हो। वहीं शासन की पारदर्शिता और संविधान के प्रति भी सरकार पूरी तरह से वचनबद्ध है। प्रदेशवासियों को चाहिए कि वे सरकार की ज्यादा से ज्यादा योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। कर्मवीर सैनी शनिवार को जींद में आयोजित सम्मान समारोह में लोगों से सीधा संवाद करते व्यक्त किया। हरियाणा सूचना आयुक्त नियुक्त होने के बाद कर्मवीर सैनी शनिवार को पहली बार अपने गृह जिला मुख्यालय जींद पहुंचे। जहां शहर में नई सब्जी मंडी के पास सैनी महापंचायत कार्यालय, भिवानी रोड पर मैन्युफैक्चरर वेलफेयर एसोसिएशन, पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह, निर्जन गांव समेत कई स्थानों में उनके सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किए गए। सामाजिक संस्थाओं एवं लोगों ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किा। रविवार को सफीदों नगर की सैनी धर्मशाला में हरियाणा सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी के सम्मान में विशाल समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे। मौके पर सैनी महापंचायत के अध्यक्ष राजेश सैनी, पूर्व जिला पार्षद विनोद सैनी, पूर्व सरपंच जयकिशन सैनी, मैन्युफैक्चरर वेलफेयर एसो जींद के प्रधान सतीश ढिल्लों, कर्मपाल ढुल, राजा सैनी जलालपुरा, रिटायर्ड इंस्पेक्टर राजेश कुमार, कुलदीप हैबतपुर, राजकुमार सर्फ वाला, पार्षद सतीश हरियाणवी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि गत 23 मई को कर्मवीर सैनी को प्रदेश सरकार द्वारा सूचना आयुक्त नियुक्त किया गया था। 26 मई को हरियाणा कान्फेड चेयरमैन के पद से त्यागपत्र देने के बाद राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में उन्हें राजभवन में शपथ दिलाई और 27 मई को पंचकूला स्थित सूचना भवन में विधिवत रूप से कार्यभार संभाल लिया। तभी से चंडीगढ़ व पंचकूला पहुंचकर प्रदेशभर से लोगों का उन्हें बधाई देने के लिए तांता लगा हुआ है।

जींद। हरियाणा सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी का स्वागत करते हुए लोग।

नरवाना। पानी की छबील लगाए हुए। फोटो :हरिभूमि

### ठंडे पानी की छबील लगाई

**नरवाना।** अग्रवाल वैश्य समाज शाखा नरवाना द्वारा त्रिवेणी चैक हुड्डा मार्किट में ठंडे पानी की छबील लगाई गई। समिति के सदस्यों ने दिनभर सड़क से गुजरने वाले राहगीरों को रोककर मीठा व ठंडा पानी को पिलाया। अग्रवाल वैश्य समाज नरवाना के अध्यक्ष अर्जुन गोयल ने कहा कि भीषण गर्मी में प्यास से व्याकुल लोगों को पानी पिलाना उन्हें नया जीवन देने के समान है। ग्रीष्म ऋतु में पानी पिलाने की व्यवस्था करना एक पुनीत और धार्मिक कार्य है। एक समय था जब ग्रामीण क्षेत्र में महिलाएं चैपालों व बैठकों में मिट्टी के घड़े भरकर रखती थी ताकि उन्हें गर्मी में प्यास से व्याकुल लोगों को पानी पिलाने का फल प्राप्त हो सके। हमें समय.समय पर इस तरह के आयोजन करते रहना चाहिए। महासचिव राहुल बंसल ने बताया कि तपती गर्मी में प्यासे को पानी पिलाना सम्पूर्ण समाज को दूसरों की सहायता के लिए हर पल तत्पर रहना सिखाता है।

## खबर संक्षेप

### सूखे तालाब, पशुओं के लिए पेयजल नहीं

**राजौंद।** गर्मी के साथ ही क्षेत्र में पशुओं को पिलाने के पानी का भी गंभीर संकट पैदा हो गया है। अधिकतर गांवों में तालाब ज्येष्ठ की गर्मी से पूर्व में ही सुख गए थे। जिसके चलते ग्रामीणों को पेयजल के साथ-साथ पशुओं को पानी पिलाने के लिए भी दर.दर भटकने के लिए विवश होना पड़ रहा है। कुछ वर्ष पूर्व तक भी नहरी पानी से ग्रामीण गांव के सामूहिक तालाबों को भर देते थे। जिससे गर्मी के प्रकोप के चलते भी पशुओं को पीने के पानी की समस्या नहीं आती थी। ग्रामीण मदन, रघुवीर, धर्मपाल, बलजीत, रामचंद्र, गुलाब, सेवा, कृष्ण ने बताया कि जिन तालाबों में पानी है वह भी दुर्गंधयुक्त हो चुका है जो पशुओं को पिलाने लायक नहीं है।

### निर्जला एकादशी के दिन लोगों को खरबूजा बांटा

**राजौंद।** निर्जला एकादशी पर्व वैसे तो प्राचीन काल से चली आ रही परम्परा के अनुसार प्यासे को पानी पिलाना हमारे शास्त्रों में भी स्पष्ट दशार्या गया है। परंतु निर्जला एकादशी पर्व पर कच्ची लसी, शीतल जल पिलाना, खरबूजा व तरबूज तथा पंखे बाटने का विशेष पुण्य विद्वानों द्वारा बताया गया है। इसी उद्देश्य के चलते नगर के कई लोगों ने निर्जला एकादशी के दिन लोगों को खरबूजा, नीबू, आम, पंखे, पानी के भरे मटके दान किए। कई लोग छबीलों पर सेवा करते हुए नजर आए।

## तय समय पर हो ड्रेनों की सफाई : डीसी

# उपायुक्त ने किया कलायत क्षेत्र की ड्रेनों का निरीक्षण

नपा व सिंचाई विभाग की ड्रेनों में कई जगह अच्छा मिला कार्य, कई जगह सफाई में खामियों को दूर करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कलायत

डीसी प्रीति ने शनिवार को कलायत क्षेत्र में नगर पालिका व सिंचाई विभाग के अधीन आने वाली ड्रेनों का निरीक्षण किया और मानसून से पूर्व ड्रेनों की हर हाल में नियमानुसार सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीसी प्रीति ने एसडीएम कलायत को निर्देश दिए कि वे दोनों विभागों के अधिकारियों के साथ सभी ड्रेनों की सफाई का शेड्यूल निर्धारित करें और मनरेगा सहित यदि किसी तरह की जरूरत है तो उस बारे में संबंधित अधिकारियों से तालमेल बनाकर सफाई कार्य को पूरा करवाएं। डीसी ने यह कहा कि डीसी ने एसडीएम कलायत को निर्देश दिए कि यदि तय समय सीमा में नियमानुसार सफाई कार्य पूरा नहीं हुआ तो उच्चाधिकारियों को इस संबंध में रिपोर्ट प्रेषित कर दी जाएगी। 40 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच डीसी ने कलायत शहर के आस-पास की ड्रेनों की पटरियों को कई जगह पैदल ही नाप डाला और आज के उनके निर्धारित शेड्यूल से बाहर के प्वाइंटस पर जाकर भी सफाई कार्य का बारीकि से निरीक्षण किया।

कलायत। डीसी प्रीति कलायत में ड्रेन का निरीक्षण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

### जलखुंबी को हटाएं

डीसी प्रीति ने कहा कि मानसून के दौरान सफाई न होने के कारण जल बहाव में रुकावटें पैदा होती हैं। ड्रेनों में जलखुंबी हो या पेड़-पौधों की टहनियां, गाद व अन्य कारण, ये सभी कारण बहाव में रुकावट बनते हैं और जलभराव की स्थिति पैदा हो जाती है। इसी कारण समय रहते सभी ड्रेनों की सफाई जरूरी है। जहां गाद निकालने की आवश्यकता है, वहां से गाद निकाली जाए। जहां जलखुंबी है, उसे हटाया जाए। साथ ही ड्रेनों में झुके पेड़ों की वन विभाग के अधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर टहनियों की छंटनी की जाए। डीसी प्रीति ने कलायत एसडीएम को कहा कि वे स्वयं ड्रेनों की सफाई कार्य की निगरानी करें और एक शेड्यूल निर्धारित कर उसके अनुसार ड्रेनों की सफाई करवाएं।

### सफाई कार्य को गंभीरता से निपटाएं

सबसे पहले डीसी प्रीति कलायत शहर से पहले पूंडरी-2 से खरक ड्रेन में पहुंचीं। जहां उन्होंने ड्रेन की चौड़ाई व गहराई की पैमाइश करवाई। इसके बाद उन्होंने पूरी ड्रेन की सफाई व पुलों के नीचे से मिट्टी हटाने के निर्देश दिए। इसके बाद डीसी कपिलमुनि ड्रेन पर पहुंचीं। जहां उन्होंने सफाई कार्य से असंतुष्टि जताते हुए कहा कि इसे जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने शहर के अंदर से कवर की गई ड्रे न की भी सफाई के निर्देश दिए। साथ ही एसडीएम को निर्देश दिए कि वे पता लगाएं कि कवर करने के दौरान सफाई के लिए इस ड्रेन के निर्माण में क्या प्लानिंग थी। इसके बाद पूंडरी-ड्रेन नंबर 2 के अंतिम छोर का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने अधिकारियों को गाद निकालने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए। डीसी ने इसके बाद कलायत से कौलेखां व भाणा से शिमला भाणा ब्राह्मणा ड्रेन का दौरा किया। जहां दो जगह मनरेगा से सफाई कार्य करवाया जा रहा था। वहीं दूसरी जगह सफाई कार्य की शुरूआत की जानी थी। डीसी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश जारी किए कि वे सफाई कार्य को गंभीरता से निपटाएं। जहां काम शुरू नहीं हुआ है, उसे तुरंत शुरू करवाया जाए। मनरेगा आदि की जरूरत हो या फिर वन विभाग से तालमेल करते हुए छंटाई की जानी हो तो आपसी तालमेल से छंटाई करवाएं। मनरेगा के लिए अपनी जरूरतों से एसडीएम को अवगत करवाएं। उन्होंने कहा कि कार्य में कोताही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्य को पूरी मशीनरी लगाते हुए व जरूरत अनुसार लेबर लगाते हुए पूरा करवाएं।

### उपायुक्त ने पैदल नापी ड्रेन

डीसी ने पैदल नापी ड्रेन की पटरियां-डीसी प्रीति ने शनिवार को 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में डेनों के उन प्वाइंटस का तो दौरा किया, जो आज के शेड्यूल में थे। साथ ही डीसी पैदल ही ड्रेनो की पटरियों पर वहां तक पहुंचीं, जहां गाड़ियों से जाना संभव नहीं था। उन्होंने ड्रेनों पर मुख्य मार्गों से काफी अंदर तक जाकर सफाई कार्य का निरीक्षण किया और जो खामियां मिलीं, उन्हें दुरुस्त करने के निर्देश जारी किए। मौके पर मौजूद लोगों का कहना था कि वे पहली बार किसी डीसी को ऐसे पैदल पटरियों पर निरीक्षण करते हुए देख रहे हैं।

# श्याम सुंदर गौड़ ने पद्य में लिखी कैथल के इतिहास के पर पुस्तक

कैथल। डीसी प्रीति पुस्तक का विमोचन करते हुए तथा कैथल का इतिहास पुस्तक।

■ डीसी प्रीति ने किया विमोचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल में प्राचीन समय से लेकर आज तक एक से एक बढ़कर इतिहासकार साहित्यकार व लेखाकार हुए हैं जिन्होंने ने केवल कैथल बल्कि प्रदेश स्तर पर अपनी अमित छाप छोड़ी है लेकिन बहुत कम देखने को मिलता है कि किसी साहित्यकार व लेखक ने कैथल के विस्तृत इतिहास के बारे में जानने का काम किया हो। कैथल के वयोवृद्ध इतिहासकार, लेखाकार एवं संगीत विशारद श्याम सुंदर शर्मा गौर द्वारा कैथल का इतिहास को पद्य के रूप में अपनी कैथल का इतिहास पुस्तक में लिखा है। इस पुस्तक का विमोचन कैथल की जिला उपायुक्त प्रीति द्वारा उनके कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर उनके साथ जिला सूचना एवं लोक संपर्क अधिकारी नसीब सैनी साथ रहे। श्याम सुंदर ने डीसी तथा डीआपीआरओ को अपनी पुस्तक भी भेंट की।

बता दें कि श्यामसुंदर गौड़ पिछले लंबे समय से लेखन कला में जुटे हुए हैं। उनकी इससे पूर्व 24 किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं। यही नहीं संगीतज्ञ विशाल होने के चलते आज भी कहीं स्कूलों में उनके द्वारा लिखी गई संगीत विषय की पुस्तक 11वीं और 12वीं के संगीत विषय में अपना स्थान बनाए हुए हैं। श्यामसुंदर गौर को साहित्य सभा कैथल द्वारा साहित्य संगीत सम्मान दिया जा चुका है।

वह आकाशवाणी कुरुक्षेत्र आकाशवाणी रोहतक से भी लंबे समय तक जुड़े रहे। उनके गीत भजन व सुगम संगीत आज भी सुने जा सकते हैं। पद्य के माध्यम से श्याम सुंदर ने बतायाकि महाभारत कालीन ऐतिहासिक धरोहर के समेटे हुए कैथल को छोटी काशी के नाम से रूप भी जाना जाता है। महाभारत काल के दौरान श्री कृष्ण द्वारा स्थापित किए गए 11 रूद्र कैथल के श्री ग्यारह रूद्री प्राचीन शिव मंदिर में आज भी देखे जा सकते हैं। यहां पहली मुस्लिम शासिका रजिया बेगम का मकबरा भी है जो आज खंडार बनकर रह गया है। कैथल के प्राचीन आठ गेट होते थे जो सायं के समय बंद हो जाते थे। इनमें से रेलवे गेट आज भी देखा जा सकता है। अंग्रेजों के शासनकाल में कैथल की लकड़ी मंडी का डंका पूरे प्रदेश में बजाता था।

# महिलाओं की स्वच्छता में भागीदारी जरूरी

■ स्वच्छता पखवाड़ा : विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली निकाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कलायत

नगर पालिका द्वारा कलायत में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत महत्वपूर्ण अभियान चलाते हुए इसे जन आंदोलन का रूप दिया जा रहा है। इस कड़ी में नगर पालिका सचिव पवन कुमार द्वारा तय रूप रेखा अनुसार सेवा भारती पुस्तकालय में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें मुख्य मेहमान के तौर पर पार्षद कुमारी रेणु धानियां ने शिरकत की। उन्होंने विशिष्ट मेहमान साधु राम, मुकेश कुमार और संपूर्ण स्वच्छता अभियान संयोजक सुरेश चहल और अन्य गणमान्य लोगों के साथ विद्यार्थियों की जागरूकता रैली में हिस्सा लिया। धानियां ने कहा कि महिलाओं की स्वच्छता में भागीदारी जरूरी है। महिलाएं न केवल घर की स्वच्छता की जिम्मेदारी निभाती हैं बल्कि परिवार को स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाती हैं। साधु राम, मुकेश कुमार और सुरेश चहल ने कहा कि स्वच्छता की आदतें बचपन से ही विकसित होती हैं। इस दिशा में मां ही बच्चे की पहली शिक्षक होती है। यदि महिलाएँ स्वच्छता के महत्व को समझें और उसे अपनाएं तो पूरा समाज स्वच्छता का प्रहरी बन सकता है। महिलाएं सामाजिक कार्यक्रमों, स्कूलों और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वच्छता संबंधी संदेशों को व्यापक स्तर पर फैला सकती हैं।

रेणु धानियां ने कहा कि गांवों और शहरों में महिलाओं की सफाई, कचरा प्रबंधन, जल संरक्षण और अन्य कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी ने परिवर्तन की मिसाल कायम की है।

कलायत। पार्षद रेनू धानिया स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ करते हुए।

## किसान बिजेंद्र हत्याकांड में इनेलो का अल्टीमेटम परिवार को 2 करोड़ मुआवजा और नौकरी की मांग

**कैथल।** इंडियन नेशनल लोकदल के प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने पानीपत में हुए किसान बिजेंद्र हत्याकांड मामले को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने मांग की है कि इस गंभीर मामले की जांच पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के सिटिंग जज से करवाई जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। रामपाल माजरा ने स्पष्ट किया कि मृतक किसान के परिवार को 2 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा आरोपियों पर हत्या की धारा नहीं लगाई जा रही, जो बेहद निंदनीय है। प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने चेतावनी दी कि अगर 10 जून तक सरकार ने इस मामले में हत्या की धारा मुकदमे में नहीं जोड़ी और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की तो इनैलो कार्यकर्ता पानीपत जिला मुख्यालय पर बड़ा प्रदर्शन करेंगे। कैथल के आर.के.एम. फार्म में शनिवार को इनैलो प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा पत्रकारों से मुखातिब हुए। यहां किसान सैल की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। फूल सिंह मंजुरा ने कहा कि किसान वर्ग इनेलो की रीढ़ है और अब नए पदाधिकारी गांव-गांव जाकर किसान हितों की आवाज बुलंद करेंगे। इनैलो किसान सैल के जिलाध्यक्ष सलिंद्र राणा ने किसान सैल के पदाधिकारियों की घोषणा करते हुए बताया कि धर्मपाल सिंह को पूंडरी हलका प्रधान, राजबीर दुल को कलायत हलका प्रधान, बलजिंद्र सिद्धू को गुहला हलका प्रधान एवं महीपाल नैन को कैथल हलका अध्यक्ष बनाया गया है। जस्सी बनवाला, धूप सिंह, रोहताश, रमेश, जयपाल सिंह, कुशलपाल साकरा, नफे सिंह पबनावा, जोगिंद्र चहल किठाना, सेवा सिंह ढुंढवा, गोविंद मोर, रोशन शर्मा, जितेन्द्र राणा कलायत, बलवान सिंह खुराना को जिला कार्यकारिणी सदस्य किसान सैल बनाया गया है। सलिंद्र राणा ने बताया कि दशरथ सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, जसपाल सिंह, कर्मवीर, रणधीर सिंह, महिंद्र चेयरमैन, श्याम सिंह, जोगिंद्र सरपंच व नरेंद्र सिंह पंच को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

# आईटीआई में ऑनलाइन आवेदन शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

प्रदेश में दसवीं और बारहवीं का रिजल्ट जारी हो चुका है व आईटीआई में अपना करियर देखने वाले छात्र-छात्राओं के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया छह जून से शुरू हो गई है। आईटीआई में दाखिले हेतू विद्यार्थी 20 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। नोटिफिकेशन के अनुसार दाखिले का पूरा शेड्यूल वेबसाईट पर अपलोड किया जाएगा जिसके लिए नियमित वेबसाइट विजिट करते रहे। इस संदर्भ में राजकीय आईटीआई महिला पूण्डरी के प्रधानाचार्य शमशेर सिंह ने बताया कि संस्थान के कुल 5 व्यवसायों की 184 सीटों के लिए इच्छुक छात्राओं के दाखिला फॉर्म संस्थान में निशुल्क भरे जा रहे है ,जिसके लिए संस्थान में हेल्पडेस्क भी बनाया गया हैं।

### इसमें मिलती हैं ये सुविधाएं:

आईटीआई में दाखिला लेने वाली छात्राओं की पूरी ट्युशन निशुल्क है, नियमानुसार स्कोलरशिप 2500रू की एकमुश्त प्रोतसाहन राशि, फ्री पासपोर्ट, फ्री बस पास, 1000रू की टूलकीट व आद्योगिक इकाइओं का दौरा करवाया जाता है। नौकरी के लिए समय-समय पर कैम्पस प्लेस्मैंट का आयोजन भी करवाया जाता है।

### इन 5 व्यवसायों की 184 सीटें

1. कोपा: 72 सीट (1 वर्ष)
2. कोस्मेटोलोजी: 48 सीट (1 वर्ष)
3. ड्राफटस्मैन सिविल: 24 सीट (2 वर्ष)
4. सिविंग टैक्नोलोजी: 20 सीट (1 वर्ष)
5. एसओटी (कढाई): 20 सीट (1 वर्ष)

# शिविर में छठे दिन विद्यार्थियों को दी इतिहास की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजौंद

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सोंगल में ग्रीष्मकालीन भाषा शिविर के छठे दिन कक्षा 6 से 12 के लगभग 120 बच्चों ने भाग लिया। शनिवार को शिविर में नदियों, पहाड़ों, ऐतिहासिक स्मारकों आदि के नाम को जानना, इतिहास व भूगोल के विषय पर प्राध्यापक व अध्यापकों ने बच्चों को विस्तार से समझाया। शिविर का कुशल संचालन हिंदी प्राध्यापक सतबीर सिंह व पंजाबी प्राध्यापिका रविंद्र कौर ने किया। इस दौरान सतबीर सिंह ने बच्चों को ऐतिहासिक स्मारकों के बारे में समझाते हुए स्मारकों के महत्व उपयोगिता व उनके चौराहों पर लगाने की विस्तार से जानकारी दी ताकि बच्चों को उनके जीवनी के बारे में,उनके बलिदान के बारे में भविष्य के बच्चों को जानकारी मिलती रहे। प्राध्यापिका रविंद्र कौर ने बच्चों को भौगोलिक ज्ञान व पंजाबी विषय की उपयोगिता के बारे में विस्तार से समझाया। सामाजिक अध्ययन अध्यापक सतवीर सिंह ने बच्चों को योगासन के साथ-साथ इसके दैनिक जीवन में इसकी उपयोगिता बच्चों से सांझा की। शनिवार को शिविर में मेहमान के रूप में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ग्योग की संस्कृत प्राध्यापिका कमलेश रानी ने शिरकत की।

राजौंद। कार्यक्रम में भाग लेते हुए विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

## भाषाई विरासत को मजबूत करने और बहुभाषी नागरिकों को बढ़ावा देने की दिशा में परिवर्तनकारी कदम : डॉ चावला

■ प्रतिभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

आरोही स्कूल ग्योंग में भारतीय भाषा समर कैंप के समापन समारोह में विद्यालय की सांझी सभा के प्रधान जगपाल उपस्थित रहे। हिंदी प्राध्यापक डॉ विजय कुमार चावला ने भारतीय भाषा समर कैंप के समापन समारोह के अवसर पर विद्यालय की सांझी सभा के प्रधान जगपाल का स्वागत किया और सभी को बताया कि समर कैंप बच्चों को छोटी उम्र में ही अलग-अलग भाषाओं से परिचित कराने और भाषा में कुछ बुनियादी संचार कौशल विकसित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। भारतीय भाषा समर कैंप के माध्यम से पूरे भारत में निम्नलिखित तथ्यों पर ध्यान केंद्रित करने के सार्थक प्रयास किए गए हैं। बुनियादी अभिवादन और अभिव्यक्तियां, जरूरतों को व्यक्त करना, आदि आत्म-परिचय और प्रश्न पूछना शब्दावली निर्माण करना, व्यावहारिक वाक्यांश और सामान्य अभिव्यक्तियां करना आदि वास्तविक जीवन में बातचीत के अभ्यास जैसे रोल-प्ले करते हुए शॉपिंग करना, बस स्टॉप पर दिशा-निर्देश पूछना, दूसरों को सड़क यातायात नियमों को समझाना, आदि), संस्कृति की सराहना करना, सुनने का कौशल विकसित करना, आत्मविश्वास निर्माण करना, प्रमाण पत्र वितरण करना आदि।

कैथल। कार्यशाला में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित करते अधिकारी।

# निर्जला एकादशी पर भाविप ने लगाई छबील

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

भारत विकास परिषद फतेहपुर-पूंडरी की तरफ से शनिवार को निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर नगर के मुख्य स्थानों पर छबील लगाई गई। यह छबील विशेष रूप से बस स्टैंड के सामने, हुडा मार्केट, जय जगदंबा मंदिर और महालक्ष्मी मंदिर के सामने लगाई गई, ताकि अधिक से अधिक राहगीरों की प्यास बुझाई जा सके। इस सेवा कार्य में शाखा के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

छबील में कुल 150 पेटी जीरा पानी व 30 पेटी फ्रूटी का वितरण किया गया। महिला संयोजिका निधि मोहन ने बताया कि हिंदू धर्म में निर्जला एकादशी का विशेष महत्व है। इस दिन जल सेवा व दान का पुण्यफल अत्यंत शुभ माना गया है। जो व्यक्ति इस दिन श्रद्धापूर्वक दान करता है, उसके जीवन में सुख, समृद्धि और धन की वृद्धि होती है।इस अवसर पर शाखा प्रधान परवीन मित्तल, संरक्षक विनोद बंसल, सचिव विकास कुमार, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार, महिला संयोजिका निधि मोहन, नेहा, पंकज बंसल, डॉ. राजेश कुकरेजा, श्रवण सिंगला, नवीन ताया, वीरेंद्र कुमार, राकेश अग्रवाल, मुनीश गर्ग, प्रभात गोयल, बबीता सिंगला और हर्ष सेठी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

पूंडरी। पूंडरी में राहगीरों को जलजीरा वितरित करते शाखा सदस्य। फोटो :हरिभूमि

# एनआइआइएलएम यूनिवर्सिटी में सामूहिक योग प्रोटोकॉल अभ्यास

■ आयुष विभाग, जिला कैथल के तत्वावधान में हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष्य में एन आई आई एल एम विश्वविद्यालय कैथल में योग प्रोटोकॉल अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आगामी 21 जून 2025 को आयोजित होने वाले योग दिवस के सफल आयोजन की तैयारियों के अंतर्गत एन आई आई एल एम यूनिवर्सिटी, कैथल में योग प्रोटोकॉल अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वाधान में एन आई आई एल एम यूनिवर्सिटी कैथल में डॉ.शकुंतला दहिया जिला आयुर्वेदिक अधिकारी के निदेर्शानुसार आयुष विभाग से योग ट्रेनर संदीप तंवर सुखदेव म्योली, रवि कुमार कठवाड ने योगाभ्यास करवाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के स्टाफ सदस्यों व छात्र छात्राओं ने तथा योग विज्ञान विभाग की अध्यक्ष ने डॉ पवित्रा देवी ने भी अदृश्य सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान यह बताया गया कि योग हमारे जीवन के लिए अत्यंत लाभकारी है। मानसिक शांति, शारीरिक संतुलन और आत्मिक विकास को भी प्रेरित करता है। यह संदेश भी दिया। गया कि योग हमारे जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने का सशक्त माध्यम है।

## सभी एक ही तरह से आसन और प्राणायाम करें

# योग जीवन के लिए महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि आवश्यक

■ पतंजलि स्वामी रामदेव और योग अभ्यास की कला साधकों को संतुलित और स्वस्थ जीवन की ओर ले जाता है : जयभगवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुहला-चीका

'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम के चलते पतंजलि योग समिति चीका द्वारा ताऊ देवीलाल पार्क में पतंजलि जिला प्रभारी एवं आचार्य हरिओम शोकल व भारत स्वाभिमान ट्रस्ट चीका के तहसील प्रभारी जयभगवान प्रजापति के तत्वावधान में चल रही नियमित योग कक्षा में 11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकाल प्रशिक्षण शिविर में आचार्य हरिओम ने सूक्ष्म व्यायाम का अभ्यास ग्रीवा चालन संचालन, लेटने वाले, बैठने वाले, खड़े होने वाले आसनों का अभ्यास करवाया। वहीं प्राणायाम का अभ्यास मुख्य योग शिक्षक जयभगवान प्रजापति ने करवाया। उन्होंने बताया कि योग आज के जीवन के लिए महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि आवश्यक बन गया है। चूंकि हमारा दिन-प्रतिदिन लाइफस्टाइल बदलता जा रहा है। हर व्यक्ति को माइग्रेन जोड़ों के दर्द डिप्रेशन जैसी बीमारियों से ग्रसित होते जा रहे हैं। योग से इन सब से दूर रहा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि योग प्रोटोकाल प्रशिक्षण दिया गया, ताकि साधकों को प्रशिक्षित कर सकें, वहीं 21 जून को सबका समान रूप से एक सिमेट्री बन सके और सभी एक ही तरह से आसन और प्राणायाम करें। वरिष्ठ योग शिक्षक युवा तहसील प्रभारी महावीर प्रजापति, ईश्वर सिंगला, इंद्रमोहन मितल, रामपाल चावला, डिंपल कुमार, दीपक द्वारा प्रार्थना, वार्मअप, सूक्ष्म यौगिक क्रिया, सूर्यनमस्कार, ताड़ासन, दंडासन, भुजंगासन, उत्तानपादासन, अर्धहलासन, पवनमुक्तासन, शलभासन, भस्त्रिका, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, शीतली, उज्जायी आदि आसन एवं प्राणायाम का अभ्यास भजन व जयघोषों के साथ करवाते हुए लाभ व सावधानियों के बारे में विस्तृत जानकारी भी प्रदान की। इस अवसर पर पतंजलि मीडिया प्रभारी गुरमीत सीड़ा, संत राम, करनैल सिंह भी मौजूद रहे।

गुहला-चीका। साधकों को प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाते हुए भारत स्वाभिमान के तहसील प्रभारी जयभगवान प्रजापति।

# पाबंदी व कानूनी अपराध के बावजूद नहीं मान रहे लोग

## नहर में नहाकर जान गंवा रहे युवा, दो सालों में एक दर्जन हुए हादसे

नहर क्षेत्र में लगवाए चेतावनी बोर्ड, नहीं हो रहा खास असर

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

गर्मी का मौसम शुरू होते ही बच्चे अपने हमउम्र साथियों के साथ नहरों की तरफ नहाने के लिए जा रहे हैं। जोकि जानलेवा साबित हो रहा है। नहरों में पानी का बहाव तेज होता है और गहराई होती है। जोकि हादसों का सबब बनती है।

नहरों में नहाने से पिछले दो सालों में करीब एक दर्जन से अधिक युवा, बच्चे डूब कर अपनी जान गंवा चुके हैं। वर्ष 2025 की बात की जाए तो अबतक नहर में डूबने के पांच मामले सामने आ चुके हैं। बाकायदा पुलिस और प्रशासन द्वारा नहरों में नहाने पर पाबंदी लगाई गई है, चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं, पुलिस समय-समय पर गश्त कर रही है। फिर भी हादसे थमने का नाम नही ले रहे हैं। छह दिन पर्व भी उचाना क्षेत्र के गांव कुचराना खुर्द का 19 वर्षीय अंकित और काकड़ौद निवासी 23 वर्षीय साहिल मंगलवार दोपहर को काकड़ौद के पास से गुजर रही बरवाला ब्रांच नहर में नहाने के लिए आए हुए थे।

नहाने के बाद दोनों वापस घर की तरफ जाने लगे, थोड़ी दूर ही चले थे कि अंकित अपना मोबाइल फोन वहीं पर भूल आया था। इसलिए वापस आने लगे। वापसी में नहर की पटरी के ऊपर से बाइक पर आ रहे थे। तभी अचानक बाइक के आगे ईंट का टूकड़ा आ गया और टायर इस पर से गुजरते ही बाइक का बैलेंस बिगड़ गया और दोनों बाइक समेत नहर में गिर गए। आसपास खेत में काम कर रहे और नहा रहे लोगों ने दोनों को नहर में गिरते देखा तो तुरंत बचाने के लिए कूद पड़े। साहिल को लोगों ने बाहर निकाल लिया लेकिन अंकित बाहर नही निकल पाया था।

जींद। नहर पर लगाया गया चेतावनी बोर्ड व नहर में नहाते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

### यह हुए हादसे

⏭ पांच जुलाई 2023 को कंडेला निवासी 16 वर्षीय आर्यन की हांसी ब्रांच नहर में डूबने से मौत हो गई थी।
⏭ पांच जुलाई 2023 को ही खेड़ा खेमावती राजकीय प्राइमरी स्कूल के जेबीटी टीचर करीब 51 वर्षीय हरिदास की नहर में डूबने से मौत हुई थी। 3. 26 मार्च 2024 को हांसी ब्रांच नहर में नहाने गए अर्बन एस्टेट निवासी चिराग की डूबने से मौत हो गई।
⏭ 27 मार्च 2025 उझाना के समीप नहर में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।
⏭ 30 अप्रैल 2025 को नरवाना के गुरथली के समीप नहर में डूबने से सुरजाखेड़ा के युवक सोनू की मौत हो गई थी।
⏭ 13 मई 2025 को उझाना हेड पर भाखड़ा नहर में डूबने से ढाबी टेकसिंह का 15 वर्षीय किशोर बजरंग की मौत हो गई थी।
⏭ 26 मई 2025 गांव करेला के पास सुंदर ब्रांच नहर पर नहाने के लिए गया 11 वर्षीय बच्चा डूब गया था। बच्चा दो बहनों का इकलौता भाई था।
⏭ तीन जून गांव कुचराना खुर्द का 19 वर्षीय अंकित और काकड़ौद निवासी 23 वर्षीय साहिल बरवाला ब्रांच नहर में नहाने के लिए गए थे। अंकित बाहर नहीं निकल पाया था।

### जिले से गुजरती हैं पांच बड़ी नहरें चेतावनी बोर्ड भी बेअसर

जींद जिला से हांसी ब्रांच नहर, सुंदर ब्रांच नहर, भिवानी नहर, भाखड़ा नहर, सिरसा ब्रांच समेत पांच बड़ी नहरें गुजरती हैं। इन नहरों में 1200 से 1500 क्यूसिक पानी बहता है। नहरों में नहाना व कपड़े धोना गैर कानूनी है। इसके उल्लंघन करने पर धारा 188 आईपीसी के तहत एक दंडनीय अपराध है। इस तरह से पाबंदी के लिए नहरों पर कुछ जगहों पर प्रशासन व सिंचाई विभाग की ओर से बोर्ड लगाए गए हैं। इसके बावजूद भी लोग नहीं मान रहे हैं। बच्चे और युवा सरेआम नहरों में छलांग लगाते रहते हैं। देखादेखी बिना तैरने वाले भी छलांग लगाते हैं लेकिन वे अधिक पानी होने के चलते बीच में डूब जाते हैं लेकिन आज तक प्रशासन व संबंधित विभाग द्वारा नहाने वाले पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है।

### लोगों को नहरों में नहाने के खतरों के प्रति होना होगा जागरूक : राजेश

सिंचाई विभाग के एसई राजेश बिश्रोई ने बताया कि नहरों पर पाबंदी बोर्ड लगा कर नहाने के लिए चेताया गया है। इसके साथ ही बेलदारों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे लगातार जांच अभियान चलाते हुए नहर में नहाने वालों को हटवाएं। आमजन को नहर में नहाने के खतरों से जागरूक होना होगा। फिलहाल नहरों पर विभाग बेलदारों व अन्य कर्मचारियों की गश्त बढ़ाई गई है ताकि कोई हादसा न हो।

## खबर संक्षेप

### मोबाइल मेडिकल यूनिट में 101 लोगों को लाभ

**राजौंद।** सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। शनिवार को राजौंद के वार्ड नंबर 3 में पहुंच कर लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाया गया। मोबाइल मेडिकल युनिट में एमबीबीएस डॉक्टरों द्वारा परामर्श और जांच के बाद निःशुल्क दवाइयां वितरित की गई। इस मौके पर रक्त और युरिन के टेस्ट भी किए गए। शनिवार को मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा 80 मरीजों को परामर्श और जांच के बाद निःशुल्क दवाईयां प्रदान की गई। साथ ही 21 लोगों के रक्त एवं युरिन के टेस्ट भी किए गए। सांसद नवीन जिन्दल द्वारा स्वस्थ कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र अभियान चलाया जा रहा है।लोगों को निःशुल्क दवाइयां, परामर्श और खान-पान संबंधित आदत अपनाने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

### स्मार्ट राशन योजना एक ऐतिहासिक कदम : सिंह

**पूंडरी।** पूर्व विधायक चौ. तेजवीर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई स्मार्ट राशन योजना 2025 गरीब, मजदूर और जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान साबित होगी। यह योजना 12 जून 2025 से पूरे हरियाणा में लागू होगी और इसके तहत पारदर्शी, समयबद्ध व सटीक राशन वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। इस योजना के तहत 31 अगस्त 2024 से पहले सभी पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार की जाएगी और उनके दस्तावेजों का ऑनलाइन सत्यापन किया जाएगा

### जिला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता आज

**कैथल।** जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शकुंतला दहिया ने बताया कि 8 जून को जिला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जखौली अड्डा में किया जाएगा तथा जो जिला स्तर पर प्रतिभागी हिस्सा लेगे उनकी प्रतियोगिता हेतु सभी व्यवस्थाएं कर दी गई है।

## शिविर में छात्रों ने दी विश्व समुद्र दिवस की प्रस्तुति

■ मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में ग्रीष्मकालीन शिविरका छठा दिन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में चल रहे ग्रीष्मकालीन शिविर के छठे दिन छात्रों को शारीरिक, मानसिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से समृद्ध बनाने वाली अनेक गतिविधियां आयोजित की गईं। इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों को केवल अकादमिक ज्ञान ही नही अपितु जीवन कौशल, स्वास्थ्य, संस्कृति और पर्यावरण के प्रति जागरूकता से भी समृद्ध करना रहा।

छात्रों के शारीरिक और मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए शिविर की शुरुआत प्रतिदिन की भांति आज भी योग एवं डांस अभ्यास से हुई। योग अभ्यास ने बच्चों को मानसिक शांतिए अनुशासन और आत्मसंयम का अनुभव कराया। वहीं नृत्य ने उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा दी। यह समन्वय बच्चों के लिए न केवल स्वास्थ्यवर्धक रहा बल्कि उनमें आत्मविश्वास और उत्साह भी भर गया वहीं फायरलैस कुकिंग के माध्यम से छात्रों को नवीनतम तकनीकों के साथ पौष्टिकता और स्वच्छता के महत्व को भी समझाया गया। शिविर में विश्व समुद्र दिवस की विशेष रूप से प्रस्तुति की गई। समुद्र का जीवन के प्रति महत्व और इसके संरक्षण की आवश्यकता को समझाने हेतु बच्चों ने नीले वस्त्र पहनकर विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। शिविर में विशेष अतिथि के रूप में नाट्य कलाकार रमेश भनवाला द्वारा थिएटर का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बच्चों को अभिनय की मूल बातें सिखाई। प्राचार्य रविंद्र कुमार ने सभी गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रीष्मकालीन शिविर केवल एक अवकाशकालीन गतिविधि नही बल्कि यह हमारे छात्रों के समग्र विकास का एक सशक्त माध्यम है। बच्चों को विभिन्न शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़कर हम उन्हें जीवन के हर क्षेत्र के लिए तैयार कर रहे हैं और इस तरह से बच्चों को विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त करके फोन और टीवी की आदतों से छुटकारा दिला रहे हैं।

जींद। नाट्य कला के गुर सिखाते हुए रंगकर्मी रमेश भनवाला।

## क्यूआर कोड आधारित आधुनिक फीड बैक रेटिंग सिस्टम लागू करने की मांग

■ सरकारी दफ्तरों में कर्मचारियों और अधिकारियों के व्यवहार एवं कार्यप्रणाली की समीक्षा को लेकर सीएम को भेजा सुझाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

राजकुमार गोयल।

■ सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हो सकेगा

अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल ने मुख्यमंत्री सैनी को सुझाव भेजते हुए मांग की है कि हरियाणा के सभी सरकारी दफ्तरों में कर्मचारियों और अधिकारियों के व्यवहार एवं कार्यप्रणाली की समीक्षा के लिए क्यूआर कोड आधारित आधुनिक फीड बैक रेटिंग सिस्टम लागू किया जाए।

यदि सरकार ऐसा करती है तो इससे कर्मचारियों और अधिकारियों की जवाबदेही बढ़ेगी और आमजन को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि आम जनता जब किसी सरकारी कार्यालय में जाती है तो उन्हें कई बार विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कई बार अधिकारी और कर्मचारी आम जनता से उचित व्यवहार नही करते। कई बार ऐसा देखने को मिलता है कि काम के लिए जनता के बार बार चक्कर कटवाएं जाते हैं। कई बार ऐसा होता है कि आम जनता की फाइले ही गुम हो कर रह जाती है जिसके चलते उसे समय पर सेवा नहीं मिल पाती। यदि सरकारी दफ्तरों मे क्यूआर कोड स्कैन करके नागरिकों को कर्मचारियों की सेवा का फीडबैक देने का मौका मिले तो इससे कर्मचारियों की जवाबदेही बढ़ेगी और आमजन को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी।

गोयल का कहना है कि इस डिजिटल फीडबैक प्रणाली से यह पता चल सकेगा कि सरकारी कर्मचारी नागरिकों से आदरपूर्वक व्यवहार कर रहे हैं या नही, उनका काम समय पर कर रहे हैं या नही। इससे सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा और पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी।

### चार गांवों में पौधरोपण अभियान चलाएगा राह ग्रुप, एलोन गांव से होगी शुरुआत

**नरवाना।** राह ग्रुप फाउंडेशन की नरवाना इकाई के तत्वावधान में नरवाना शहर के की श्मशान भूमिए गांव लोनए खानपुरए दनौदा व घीमाना गांव में विशेष पौधारोपण किया जाएगा। जिसके अंतर्गत पंचायतों एवं युवा क्लबों को आठ से दस फूट के लंबे पौधे दिए जाएंगेए जिससे कि वे कम समय में वृक्ष का आकार ले सके। यह कहना है राह ग्रुप फाउंडेशन की नरवाना ईकाई की उपाध्यक्ष रानी कौशिक का। वो राह संस्था के तत्वावधान में गांव बिधराना में प्रतिकात्तक पौधारोपण कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि राह संस्था के चेयरमैन नरेश सेलपाड़ व नरवाना यूनिट के अध्यक्ष डाण प्रदीप नैन की अगुवाई में बड़े पौधारोपण अभियान की शुरुआत लोन गांव से होगी। इससे पहले राह क्लब नरवाना की उपाध्यक्ष रानी कौशिक ने गांव बिधराना गांव में नीमए पीपलए अमलतासए गुलमोहर सहित अन्य छायादार और औषधीय पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान उन्होंने उपाध्यक्ष रानी कौशिक ने अपने संबोधन में कहाए वृक्ष केवल पर्यावरण का नहींए बल्कि हमारी संस्कृति और जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने ग्रामीण युवाओं से इस अभियान को निरंतर चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को कम से कम अपने जीवन काल में दस पौधों का रोपण एवं उनका पालन पोषण करना चाहिए।

## शिक्षकों को शिक्षण कौशल से सशक्त बनाया

■ वेदांता स्कूल में एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नरवाना

शनिवार को वेदांता इंटरनेशनल स्कूलए कलौदा खुर्द में एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य शिक्षकों को 21वीं सदी की आवश्यक शिक्षण कौशलों से सशक्त बनाना था। यह प्रशिक्षण सत्र प्रभावी शिक्षण रणनीतियाँ? विषय पर आधारित था।

इस अवसर पर प्रसिद्ध शिक्षिका व प्रशिक्षिका शरमीन अख़्तर मुख्य प्रशिक्षक के रूप में पधारीं। उनके साथ एमण्बीण्डीण ग्रुप के रिसोर्स पर्सन अनिल भारद्वाज भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने शिक्षकों के साथ मिलकर व्यावहारिक गतिविधियोंए समूह चर्चाओं और नवीन शिक्षण तकनीकों के माध्यम से यह सत्र अत्यंत प्रभावी रूप से संचालित किया। प्रशिक्षण का आरंभ विद्यालय की प्राचार्या वीणा डारा द्वारा शरमीन अख़्तर का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए हुआ। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के सेमिनार हॉल में किया गयाए जहाँ सभी शिक्षकगण पूरे उत्साह और मनोयोग से उपस्थित थे। प्रशिक्षण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2022 को ध्यान में रखते हुए शिक्षकों को विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु आवश्यक 21वीं सदी के कौशलए जैसेकृसमस्या समाधानए रचनात्मकताए संचारए सहयोगए डिजिटल साक्षरता और सामाजिक.भावनात्मक दक्षताओं पर आधारित शिक्षण पद्धतियाँ सिखाई गईं। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशकए इंजीनियर प्रदीप नैन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षण सत्र में सक्रिय सहभागिता निभाई और प्रशिक्षिका शरमीन अख़्तर को विद्यालय परिवार की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को न केवल शिक्षण में नवीनता लाने के लिए प्रेरित करते हैंए बल्कि छात्रों के लिए बेहतर शैक्षिक वातावरण सृजित करने में भी सहायक होते हैं।. पूरे प्रशिक्षण सत्र के दौरान शिक्षकगण पूर्ण रूप से संलग्न रहे और उन्होंने प्रभावी शिक्षण की आधुनिक विधाओं को समझने व अपनाने का संकल्प लिया। शिक्षकों ने यह भी माना कि यह सत्र उनके लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहाए जिससे वे अपने शिक्षण कौशल को और अधिक प्रभावशाली बना सकेंगे।

नरवाना। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ता।

### लिपिकीय वर्ग की मांगों को पूरा करे सरकार : देशवाल

**जींद।** हरियाणा रोडवेज मिनिस्ट्रीयल स्टाफ कल्याण संघ की राज्य कार्यकारिणी की बैठक कुरुक्षेत्र आगार में राज्य प्रधान बलराज देशवाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जींद, कुरुक्षेत्र, कैथल, यमुनानगर, फ रीदाबाद, भिवानी, चंडीगढ़ और करनाल के कर्मचारियों ने भाग लिया। राज्य वरिष्ठ उप प्रधान शशिभूषण शर्मा व सचिव अशोक पुजारा ने कहा कि पिछले कई वर्ष से लिपिकीय वर्ग की मुख्य मांग मुख्यालय स्तर पर लंबित हैं। उन्होंने कहा कि लिपिकीय वर्ग का वेतनमान भी कम है। ऑनलाइन पॉलिसी के तहत स्थानांतरित हुए कर्मचारियों को अभी तक किसी भी आगार से वेतन नहीं मिला है। वहीं मुख्यालय द्वारा इस ओर संज्ञान लेकर वर्ष 2020 की भांति कर्मचारियों को जब तक एचआरएमएस में से रिलीव नहीं होते, उनको पुराने डिपो से ही वेतन दिलाना चाहिए। इसके अतिरिक्त क्षेत्रीय कार्यालयों में लेखाकार, जूनियर ऑडिटर व सहायकों के पद सृजित कराने की भी मांग की गई। राज्य प्रधान बलराज देशवाल ने कहा कि शीघ्र ही मांगों से संबंधित मांग पत्र तैयार करके महानिदेशक राज्य परिवहन हरियाणा और परिवहन मंत्री को भेजकर बातचीत के लिए समय लिया जाएगा। वहीं डिपो स्तर पर कार्यकारिणी गठित करने के लिए कमेटियां बनाई जाएंगी।

### केएम राजकीय महाविद्यालय में केंद्रीकृत आरओ सिस्टम व ठंडा करने वाला सिस्टम लगाया जाएगा

**नरवाना।** केएम राजकीय महाविद्यालय नरवाना में एक केंद्रीयकृत आर ओ सिस्टम व ठंडा करने वाला बड़ा सिस्टम लगाने के लिए पंचायत विभाग एवं राजकीय महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों के साथ 7 वर्षीय कन्या वर्णिका द्वारा ईंट रखकर शुभारंभ किया गया।इस चिल्ड सिस्टम को लगवाने की घोषणा राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने अपने सांसद निधि कोटे से 11 लाख रुपए की राशि मंजूर की थी। इस सिस्टम के लगने से कॉलेज में लंबे समय से पानी की चली आ रही समस्या का समाधान हो जाएगा। विद्यार्थियों को अच्छी गुणवत्ता युक्त पानी पीने के लिए मिलेगा। यह आर ओ सिस्टम शुद्ध और सुरक्षित पानी प्रदान कर पाएगा ।कॉलेज प्राचार्या डॉ मीनू सिंह ने इस संबंध में विस्तार से बताते हुए कहा कि इससे 500 लीटर प्रति घंटा पानी प्यूरिफाई व ठंडा होगा। इसे एक जगह पर लगाकर पानी की सप्लाई विद्यार्थियों के लिए अलग.अलग जगह पर की जाएगी। बहुत जल्द पानी की समस्या का समाधान करने के लिए सिस्टम लग जाएगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

### नागरिक अस्पताल में 120 बच्चे उपचाराधीन, निःशुल्क किया जाता है उपचार

## जन्म से पैर टेढ़े (क्लब फुट) होने पर परिजन घबराएं नहीं

■ विश्व क्लब फुट दिवस के तहत लोगों को किया जागरूक
■ क्लब फुट उपचार का सारा खर्च उठाता है स्वास्थ्य विभाग : डा. रमेश पांचाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

अक्सर नवजात बच्चों में पैर तिरछे होने की शिकायत पर परिजनों में भय पैदा हो जाता है।

वहीं अगर किसी लड़की के पैर टेढ़ें हो तो अभिभावकों की चिंता और बढ़ जाती है। क्योंकि उसकी शादी की चिंता रहती है लेकिन अभिभावकों को घबराने की जरूरत नहीं है और टेढ़े पैर (क्लब फुट) का इलाज पूरी तरह से संभव है। इसके लिए नागरिक अस्पताल में क्लब फुट क्लीनिक है। इसमें हर वीरवार को ओपीडी की जाती है। फिलहाल 120 बच्चों का उपचार नागरिक अस्पताल में निशुल्क चल रहा है। जिसका सारा खर्च स्वास्थ्य विभाग द्वारा उठाया जाता है। अनुष्का फाउंडेशन द्वारा विश्व क्लब फुट दिवस के तहत लोगों को जागरूक करने पर कार्य किया जा रहा है।

जींद। में भाग लेते बच्चे।

### 1000 बच्चों में एक बच्चा होता है क्लब फुट से प्रभावित

नागरिक अस्पताल के डिप्टी सीएमओ डा. रमेश पांचाल ने बताया कि यह एक ऐसा रोग है, जिसमें जन्म से ही बच्चे के पैरों में टेढ़ापन रहता है। एक सर्वेक्षण के अनुसार 1000 बच्चों में एक बच्चा इस रोग से प्रभावित होता है।

### नागरिक अस्पताल में हर वीरवार को आयोजित होता है जांच शिविर

नागरिक अस्पताल में प्रत्येक वीरवार को क्लबफुट क्लीनिक आयोजित किया जाता है। जिसमें हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. संतलाल बेनीवाल द्वारा बच्चों की जांच कर आवश्यकतानुसार प्लास्टर चढ़ाया जाता है और अभिभावकों को संपूर्ण इलाज पूरा कराने के लिए प्रेरित किया जाता है। वीरवार को आयोजित हुए इस कार्यक्रम में दस बच्चों को क्लबफुट के विशेष जूते एवं ब्रेस वितरित किए गए तथा वर्तमान में 120 बच्चों का इलाज जिला नागरिक अस्पताल में चल रहा है।

### जन्म के तीन से चार माह में ही इलाज कराना जरूरी

स्कूल हैल्थ डिप्टी सीएमओ डा. रमेश पांचाल ने बताया कि जन्म के पहले तीन से चार महीने में बच्चे का इलाज कराएं तो पैर ठीक होने के 100 प्रतिशत चांस होते हैं। अगर जन्म के दो साल बाद बच्चों का इलाज कराएं तो उसमें 50 प्रतिशत ही चांस होता है कि बच्चों के पैर सीधे हो या न हो।

### कार्यक्रम में क्लबफुट के लक्षण व सरकारी सहायता के बारे में बताया

डिप्टी सिविल सर्जन डा. रमेश पांचाल ने बताया कि अस्पताल में विश्व क्लबफुट दिवस पर अनुष्का फाउंडेशन फॉर एलिमिनेटिंग क्लब फुट द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लबफुट के लक्षण व सरकारी सहायता के बारे में अभिभावकों को अवगत करवाया। यह दिन क्लबफुट जैसे जन्मजात विकार के प्रति समाज को जागरूक करने और समय पर उपचार के महत्व को रेखांकित करने हेतु समर्पित होता है। आरबीएसके के तहत क्लबफुट सहित अन्य जन्मजात दोषों से पीड़ित बच्चों को निशुल्क उपचार की सुविधा प्रदान कर रही है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 8 जून 2025

समय तेजी से बदल रहा है। हर रोज तकनीक नए अवतार में सामने आ रही है। जाहिर है, ऐसे में सर्वाइव करने और ग्रो करने के लिए खुद को लगातार अपडेट करना जरूरी है। अच्छी बात है कि इस बात की महत्ता को समझते हुए आज के युवा अपनी स्किल्स डेवलपमेंट के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

# युवा नई स्किल्स सीखकर लगातार हो रहे अपडेट

{ कवर स्टोरी/ डॉ. मोनिका शर्मा }

तेजी से बदलते इस दौर में नई सोच ही नहीं न्यू एज स्किल्स भी आवश्यक हैं। आज के युवाओं को सेल्फ डेवलपमेंट की सोच में व्यक्तित्व ही नहीं कौशल को भी रखना होगा। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का अनुमान है कि 2030 तक 85 फीसदी ऐसी नौकरियां मौजूद होंगी, जो बिल्कुल नए क्षेत्रों से जुड़ी होंगी। यानी, रोजगार के ऐसे फील्ड और अवसर, जो अभी तक अस्तित्व में नहीं हैं। इसलिए युवाओं में एडॉप्टिबिलिटी और नया सीखने की सोच जरूरी है। देखने में आ रहा है कि सरकार और कंपनियां भी निरंतर कौशल विकास की जरूरत पर बल दे रही हैं। असल में तकनीकी तरक्की और कॉर्पोरेट दुनिया के तेजी से बदलते परिवेश में नए लोगों को ही नहीं पहले से जुड़े कर्मचारियों को भी लगातार नई स्किल सीखनी जरूरी है।

## बदलते हालातों से तालमेल

बदलाव के प्रति खुला रुख और बदलती परिस्थितियों के साथ तालमेल बैठाने की सोच आज के समय में बहुत आवश्यक है। एडॉप्टिबिलिटी से जुड़ा यह भाव वह सॉफ्ट स्किल है, जिस पर सीखने-समझने की लगातार चलने वाली प्रक्रिया टिकी होती है। असल में एडॉप्टिबिलिटी का मतलब ही नई परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार रखना है। बदलती स्थितियों के साथ आसानी से ढलने की क्षमता जुटाना है। बदलाव के लिए लचीला रुख रखना है। तकनीकी दुनिया में एआई से लेकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में लोगों से जुड़ाव की राह चुनने तक, पेशेवर दुनिया में नित नया सीखते रहने की प्रवृत्ति आज के समय की जरूरत है। आज टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रीज, सर्विस सेक्टर हर फ्रंट पर बदलाव आ रहा है। काम-काजी दुनिया की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप ढलना जरूरी है। स्किल्स और माइंडसेट के मोर्चे पर स्वयं को संवारते रहने से ही अपडेट रहा जा सकता है। सुखद है कि युवा अपनी स्किल को निखारने को प्राथमिकता भी दे रहे हैं।

## मिलते हैं अनेक फायदे

उम्र के हर पड़ाव पर ही कुछ नया सीखना या सीखते रहना आत्मविश्वास की सौगात देता है। बात जब काम-काजी दुनिया में अपनी जमीन पुख्ता करने में जुटे युवाओं की हो तो, यह पहलू और अहम हो जाता है। असल में अपनी स्किल्स निखारने से जॉब में सुरक्षा मिलती है। किसी क्षेत्र विशेष में पहचान बनाने का अवसर मिलता है। मौजूदा नौकरी में तो आगे बढ़ने के अवसर मिलते ही हैं, करियर के नए दरवाजे भी खुलते हैं। मानसिक रूप से यह स्थिति तनाव से भी दूर रखती है, क्योंकि आने वाले समय के लिए खुद को तैयार करने के प्रयास हर तरह की असुरक्षा से दूर रखते हैं। नई स्किल्स सीखने से हर इंसान को अपने आप के बारे में अच्छी और सकारात्मक अनुभूति होती है। अपनी क्षमता के प्रति बने विश्वास से मन अधिक सशक्त महसूस करता है। काम-काजी दुनिया में इस मनःस्थिति के साथ चुनौतियों का सामना करना और आसान हो जाता है। नए स्किल्स सीखने से नए लक्ष्य बनाने और पाने की भी हिम्मत मिलती है। परिस्थितियों के अनुसार कौशल निखार से मिला आत्मविश्वास अनमोल होता है। ऐसे भरोसे से लबरेज मन-मस्तिष्क, हर हाल में कुछ बेहतर करने का मार्ग खोज लेता है। समझना मुश्किल नहीं कि फील्ड चाहे कोई भी हो, योग्यता के मोर्चे पर बेहतरी की ओर बढ़ते जाना कभी व्यर्थ नहीं जाता। *

### डेवलप होती है पर्सनालिटी

**फॉर्मल डिग्री** के बाद भी कुछ नया सीखते रहना व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होता है। नए स्किल्स सीखना अपने ज्ञान को बढ़ाना है। अपनी कार्यक्षमता को बेहतर करना है। समय के साथ चलते रहने की सोच को सही दिशा देना है। खासकर सॉफ्ट स्किल्स को बेहतर करना अच्छी निर्णय क्षमता, प्रभावी कम्युनिकेशन और समस्याओं का समाधान तलाशने में मददगार साबित होता है। ऐसे सभी पहलू व्यक्तित्व विकास से ही जुड़े होते हैं। यही बातें युवाओं की पर्सनालिटी को इंप्रेसिव बनाती हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार, व्यक्ति की पर्सनालिटी उसके स्थाई व्यवहार, विचार, इमोशनल पैटर्न और क्षमताओं को लिए होती है। कॉग्निटिव बिहेवेरियल थेरेपिस्ट और 'द फील गुड जर्नल' के लेखक लुडोविका कोलेला के मुताबिक 'व्यक्तित्व, व्यवहार और विचार पैटर्न का एक संयोजन होता है, जो समय के साथ अपेक्षाकृत स्थिर होता जाता है।' ऐसे में पर्सनल ग्रोथ और पर्सनालिटी डेवलपमेंट, दोनों ही सिस्टमेटिक ढंग से कुछ ना कुछ सीखते रहने से गहराई से जुड़े हैं। साथ ही खुद को सक्रिय रखने के लिए भी न्यू स्किल्स सीखना आवश्यक है। इस तरह नया स्किल, वर्किंग फील्ड में तो बेहतरी से जुड़ा ही है, युवाओं के व्यक्तित्व विकास का भी अहम पहलू है।

# अपनी बिजी लाइफ में भी कुछ पल हों दोस्तों के लिए

{ रिलेशनशिप / संध्या सिंह }

वैसे तो आज के दौर में हर व्यक्ति समय की कमी का रोना रोता रहता है। लेकिन इस बिजी लाइफ में भी अगर कुछ पल आप अपने दोस्तों के साथ बिताते हैं तो इसके कई तरह के फायदे आपको मिलेंगे, जीवन में हमेशा जीवंतता बनी रहेगी।

हर रोज सुबह घर से निकलकर पूरा दिन ऑफिस में काम करने के बाद ट्रैफिक और भीड़ की मुश्किलें झेलने के बाद घर पहुंचकर आप अपने कंफर्टेबल जोन में आ जाते हैं। अपने लिए चाय बनाते हैं और किसी किताब को पढ़ने या कोई मनपसंद फिल्म देखने की सोचते हैं। तभी आपके दोस्त का फोन आता है, जिसकी आपके साथ काफी दिनों से मुलाकात नहीं हुई है। वह आपको रात के समय फिल्म देखने के लिए बोलता है तो आप कहते हैं कि नहीं, अब मेरा कोई मूड नहीं है। लेकिन दोस्त 10-15 मिनट के बाद आपको लेने के लिए आ जाता है। मन नहीं होने के बावजूद आप फिल्म देखने चले जाते हैं। लंबे समय के बाद दोस्त से मिलकर, फिल्म देखकर, उसके साथ वक्त बिताकर आपको बहुत अच्छा लगता है। क्या आपने भी ऐसा महसूस किया है?

**तनाव होता है कम:** यह सच है कि आज के समय में घर से ऑफिस और ऑफिस से घर की व्यस्त दिनचर्या में आपको दोस्तों से मिलने का ख्याल ही नहीं आता है। थकान और तमाम उलझनों के कारण उनके लिए समय निकालना आपके लिए संभव भी नहीं होता। लेकिन विभिन्न सर्वेक्षण इस बात का दावा करते हैं कि अपनी व्यस्त दिनचर्या में भी दोस्तों के लिए वक्त निकालना, आपको काफी हद तक तनावमुक्त करता है। दोस्तों से मिलना, उनके साथ समय बिताना उस समय और जरूरी हो जाता है, जब आप किसी तरह की समस्या से जूझ रहे होते हैं। जाहिर सी बात है, दोस्त के साथ मिलने पर आप उनके साथ अपनी समस्या शेयर करते हैं। आपका दोस्त आपकी समस्या को ध्यान से सुनता है और उसे नए तरीके से देखने और समझने के लिए आपको बहुत सी नई बातें बताता है, जिससे आपको अपनी वो छोटी सी समस्या जितनी पहले बड़ी लग रही थी, अब और छोटी दिखती है।

**ऐसे बिताएं समय:** यह जरूरी नहीं कि आप अपने पार्टनर के साथ ही घूमने के लिए जाएं। अपने दोस्तों के साथ भी ट्रिप का प्रोग्राम बना सकते हैं। ऐसी ट्रिप, जिसमें सिर्फ आप अपने आपको और दोस्तों को समय दें। न आपके पास लैपटॉप हो, न ई-मेल चेक करने का झंझट और अपने स्मार्टफोन को भी आप दिन के समय या कुछ खास आवर्स में स्विच ऑफ कर दें केवल दोस्तों के साथ घूमने का आनंद लें, घूमें, फिरें और पार्टी करें। उनके साथ मिलकर मूवी देखें, कांसर्ट में शिरकत करें। कोई प्ले देखें। इस तरह की गतिविधियों में शिरकत न करने के कारण हम सामाजिक गतिविधियों से दूर हो जाते हैं। ये वही मौके हैं, जिनके द्वारा आप आपने को सोशलाइज्ड कर सकते हैं।

**अलग होता है मिलने का आनंद:** अगर आपका दोस्त तनाव में है और वह खुद अपने को घर में बंद कर लेता है, अलग-थलग रहकर वह चिड़चिड़ा और तनावग्रस्त हो जाता है तो यही वह समय है, जब आप उसको उसकी बंद दुनिया से बाहर लाकर अपना सहारा दे सकते हैं। भले ही आजकल मोबाइल फोन, व्हाट्सएप कॉल, ई-मेल या एसएमएस के जरिए हम दोस्तों से कनेक्ट होते हैं, लेकिन वर्चुअल दुनिया से निकलकर आमने-सामने की बातचीत का कोई विकल्प नहीं होता।

**मिलने की करें पक्की प्लानिंग:** हम अकसर अपने दोस्तों से मिलने की प्लानिंग तो बहुत करते हैं, लेकिन मिल नहीं पाते। इसके लिए हर बार की मीटिंग के बाद अगली बार मिलने की एक तारीख निर्धारित कर लें और उसके लिए किसी भी सूरत में समय निकालें। जीवन की आपा-धापी के बीच दोस्तों के लिए समय जरूर निकालें। तो अगली बार जब आपसे कोई कहे कि चलो मिलते हैं, इसे एक अनिश्चित समय के लिए न टालें। मोबाइल फोन निकालकर कैलेंडर देखकर तुरंत पहले से एक तारीख तय कर लें और अपने शेड्यूल को उसी हिसाब से अडजेस्ट करके अगली बार जरूर मिलें। *

# बोरियत को कहें बाय-बाय जिंदगी में भरें नई उमंग

वजहें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन बोरियत की फीलिंग कभी न कभी सभी को होती है। ऐसे में उसकी वजह तलाशें, उसका समाधान करें और जिंदगी को नई उमंग के साथ जीना शुरू करें।

{ लाइफस्टाइल / शैलेंद्र सिंह }

किसी ने सच ही कहा है, चलती का नाम जिंदगी है। लेकिन कभी-कभी अपनी जिंदगी से बोरियत महसूस होने लगती है। बोर होने का मतलब है रुकावट, थकावट, कल्पनाहीनता वगैरह-वगैरह। सवाल है, ऐसी स्थिति में क्या किया जाए? हमें समझना होगा कि जब तक हम कल्पनाशील नहीं होंगे, बोरियत को दूर करने की चेष्टा नहीं करेंगे, तब तक बोरियत हमें अपने चंगुल में जकड़े रखेगी। बोरियत होने के दौरान हमें कोई भी चीज अच्छी नहीं लगती। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि बोरियत एक किस्म का डिप्रेशन है। इसलिए जैसे ही आप बोरियत महसूस करें तुरंत समझ जाएं कि आपके साथ कुछ गड़बड़ है।

**बोरियत का मतलब:** आमतौर पर बोरियत एक जैसी स्थिति से होती है। एक ही तरह के खाने से, एक ही तरह के कपड़ों से, एक ही तरह के काम से, एक ही जगह रहने से, एक जैसी बातों से और एक जैसे रिश्तों से। कुल मिलाकर बोरियत की तह में है एकरसता। अतः जीवन में एकरसता से बचना चाहिए।

**क्यों होती है बोरियत:** यह कोई बंधा-बंधाया नियम नहीं है कि बोरियत वही महसूस करेगा, जो शादी-शुदा हो। आजकल काम-काजी जीवन से जूझ रही युवा लोग भी बोरियत के चंगुल में बहुत जल्दी आ जाते हैं। वे चाहते हुए भी इससे दूर नहीं हो पाते। इसका सीधा सा जवाब यह है कि उनके पास सोशल होने का समय नहीं होता है। दोस्तों से झगड़ने का समय नहीं है। अपनों से बात करने का समय नहीं है। पार्टी करने का समय नहीं है। समय के अभाव के चलते बोरियत हमारी जिंदगी में गहरे तक घर कर गई है। बोरियत बड़े पैमाने पर प्रेमियों के संबंधों में देखने को मिलती है। हैरानी की बात यह है मौजूदा समय में बोरियत ने सबसे ज्यादा युवा कपल को ही घेरे रखा है, क्योंकि उनके पास एक-दूसरे के लिए समय नहीं है। इस तरह उनके जीवन में एकरसता बहुत आसानी से आ जाती है। वे ऊब से भर जाते हैं।

**ऐसे करें बोरियत दूर:** पुरुषों को यह समझना चाहिए कि आमतौर पर हर महिला की जिंदगी में उसका प्यार सबसे ज्यादा मायने रखता है। चाहे उसके पास करने को बहुत कुछ हो, चाहे उसके पास सोचने को बहुत कुछ हो, बावजूद इसके उनके जीवन में अपना पार्टनर सबसे खास होता है। लेकिन जैसे ही उसे महसूस होने लगे कि उसका पार्टनर काम के दबाव के चलते उसे नजरंदाज कर रहा है तो वह गहरे तक अवसादग्रस्त हो जाती है। वे मनोवैज्ञानिक तौर पर बुरी तरह आहत हो जाती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि मन ही मन कुढ़ना स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। इसलिए पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को समय दें और अपने जीवन से बोरियत दूर रखें।

**इन पर भी करें अमल:** कपल्स के लिए यह भी जरूरी है कि हमेशा रोमांटिक बने रहें। चाहे स्थितियां कैसी भी क्यों न हो, अपने पार्टनर का सम्मान करें और उसे अपना पूरा समय दें। खासतौर पर पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को जरा भी नजरंदाज न करें। बोरियत से बचने के लिए हमेशा खुद में नए-नए बदलाव करते रहें। कभी-कभी घर को भी नया लुक देकर बोरियत से दूर हुआ जा सकता है। लड़कियों के लिए खुद को सजाना हमेशा दिलचस्पी भरा होता है। बोरियत घेर रही हो तो खुद को संवारें। यही नहीं रोमांसपूर्ण आकर्षण बनाए रखने के लिए कोशिश करें कि वही ड्रेस पहनें जो एक-दूसरे को अच्छे लगें। अचानक का स्पर्श भी आकर्षण बढ़ाता है, इसलिए मौका बे मौका एक-दूसरे को चुपके से छुएं जब दूसरा किसी और काम में खोया हो। इस तरह से दोनों के बीच लगाव बना रहेगा, जो बोरियत से दूर रखती है। जो लोग सिंगल है, वे अपने दोस्तों के साथ आउटिंग और हैंगआउट कर सकते हैं। बोर शब्द बेहद सामान्य प्रतीत होता है और लगता है कि कुछ घंटों में ही हम सामान्य हो जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो पाता, क्योंकि बोरियत दीमक की तरह है जो धीरे-धीरे अंदर की जीवंतता को निचोड़ लेती है। इसलिए अपने आस-पास के माहौल में भी निरंतर तब्दीलियां करें और रिश्तों में हमेशा गर्मजोशी बनाए रखें। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

## शोधपरक-संग्रहणीय पुस्तक

हिंदी पत्रकारिता के इतिहास का विधिवत विवरण वर्ष 1826 से मिलता है, जब 'उदंत मार्तंड' साप्ताहिक समाचार पत्र के माध्यम से जुगल किशोर शुक्ल ने इसकी शुरुआत की। इसके लगभग 50-55 वर्ष के बाद ही वर्ष 1882 में हिंदी बाल पत्रकारिता की भी नींव पड़ी। उसके बाद से लेकर इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक तक पहुंचने की अपनी यात्रा में बाल पत्रकारिता, किन-किन सोपानों से होकर गुजरी, किन विभूतियों ने बाल पत्रकारिता को दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और किन प्रमुख बाल पत्रिकाओं ने बाल पाठकों को आकृष्ट करने में महती भूमिका निभाई, इन तमाम पक्षों पर विस्तार से और पूरी प्रामाणिकता के साथ ब्योरा प्रस्तुत करती है, कुछ समय पूर्व छपकर आई पुस्तक-हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास। इसे सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. सुरेंद्र विक्रम ने लिखा है। इस किताब को कुल पांच अध्यायों में बांटा गया है। पहले अध्याय में वर्ष 1882 से 1947 तक, दूसरे अध्याय में 1948 से 1960 तक, तीसरे अध्याय में 1961 से 2000 तक, चौथे अध्याय में 2001 से अब तक की बाल पत्रकारिता पर विहंगम दृष्टि डाली गई है। पांचवें अध्याय में हस्तलिखित बाल पत्रिकाओं का दुर्लभ विवरण दिया गया है। परिशिष्ट में सौ से अधिक बाल पत्रिकाओं के मुख पृष्ठ का संकलन लेखक के समर्पण और अथक परिश्रम को सिद्ध करता है। कुल मिलाकर यह एक शोधपरक-संग्रहणीय किताब है। *

**पुस्तक:** हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास, **लेखक:** डॉ. सुरेंद्र विक्रम, **मूल्य:** 600 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

# भूखे भजन न होय गोपाला

अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।'

{ व्यंग्य / रमेश सैनी }

रामलाल बहुत सहनशील सहिष्णु लंबी सोच वाले व्यक्ति हैं। उनकी सोच बहुत उदारवादी है। *जीना ऐसा ना कोई से दोस्ती ना काहू से बैर। जहां काम पड़े अपना, अपना लो भले हो गैर।* यह उनके जीवन का फलसफा है। वे रोज सुबह चाय-पान के बाद अखबार पढ़ते हैं। उसमें भी सबसे पहले सिटी पेज में साहित्यिक, धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों की सूचना पढ़ते हैं। लंबे अनुभव ने उन्हें सिखा दिया है कि किस आयोजन में स्वरुचि भोजन की व्यवस्था है। अनेक बार यह संयोग हो जाता है कि एक ही दिन में दो-चार आयोजन स्वरुचि भोज वाले की संभावना होती है। तब यह कयास लगाते हैं कि सबसे अच्छा भोज कहां पर होगा? तब वे उस आयोजन में ठाठ-बाट के साथ सम्मिलित हो जाते हैं। वे साहित्यक, धार्मिक और राजनीतिक आयोजनों के हिसाब से ड्रेस का चयन करते हैं। रामलाल जी अभिनय कला में मास्टर हैं। जहां जैसी जरूरत पड़ी, वैसा अपने को ढाल लेते हैं।

वे कुछ दिन पहले एक साहित्यिक आयोजन में मिल गए। आजकल आयोजन में भी भीड़ जुटाने के लिए स्वरुचि भोज रख लेते हैं। ऐसे में आयोजक को लगता है कि काफी भीड़ जुटी है और आयोजन सफल हो गया है। आयोजक भी श्रोताओं की सहनशक्ति, धैर्य और विश्वास की परीक्षा लेते हैं, उन्हें लगता है अगर शुरुआत में ही भोज रख दिया तो लोग खाकर आयोजन से निकल लेंगे। इस वजह से कार्यक्रम के बाद भोज रखते हैं। पर आयोजक डार-डार और श्रोता पात-पात। कुछ लोग समूह बनाकर आयोजन को सफल बनाने में योगदान देते हैं। ऐसे समूह में जो चतुर-चालाक और समझदार किस्म के लोग होते हैं, उन्हें आयोजन में शुरुआत में भेज देते हैं। उन्हें अकल होती है कि आयोजन कब खत्म होगा उसका अनुमान लगा लेते हैं। फिर वे कार्यक्रम खत्म होने के आधा-पौन घंटा पहले फोन कर देते हैं। तब उनके लोग भोज प्रारंभ होने के पहले भोजन स्थल पर पहुंच जाते हैं। रामलाल जी इसी तरह वर्षों से आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

उस रोज भी आयोजन समाप्त होने पर, जैसे ही स्वरुचि भोज आरंभ हुआ वहां उपस्थित अधिकांश लोग हमलावर के रूप में भोजन के स्टॉल पर टूट पड़े। मैं भी भीड़ में लग गया और सबके साथ धक्के खाकर भोजन के स्टॉल तक पहुंच गया। फिर धक्के से आगे बढ़ा तो सलाद, अचार और पापड़ के पास पहुंचा। मेरे आगे खड़े सज्जन मेरी दयनीय स्थिति को देखकर द्रवित हो गए और टमाटर के आठ-दस टुकड़े, दस-बारह पापड़ के टुकड़े मेरी प्लेट में रख दिए। फिर उन्होंने मुट्ठी भर अचार के टुकड़े मेरी प्लेट पर पटक दिए। मैं वहीं रुककर उन्हें कातर निरीह नजरों से देखने लगा। पर भीड़ को मेरा इस तरह रुककर देखना पसंद नहीं आया और मुझे धक्का मार कर लाइन से अलग कर दिया। फिर मैंने अपनी नजरें चारों ओर दौड़ाईं, शायद कोई पहचान वाला मिल जाए। तब देखा रामलाल आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। काफी कशमकश के बाद वे हार मान गए और लाइन से बाहर आ गए। मैंने दूर से उन्हें इशारा किया, यहां कैसे? मेरे पास आकर बोले, 'भाई साहब ने बुलाया था, तो मजबूरन आना पड़ा।' यह उनका तकिया कलाम है। मैंने देखा उनकी प्लेट में सिर्फ दाल ही दाल दिख रही थी। मैंने पूछा, 'यह क्या, सिर्फ दाल! किसी वैद्य ने कहा है?' इस पर मुस्कुरा कर बोले, 'सिर्फ दाल ही ले पाया। आगे बढ़ने से पहले ही भीड़ के धक्के ने इस शरीफ आदमी को समुद्र की लहर की भांति बाहर कर दिया।' यह कहकर वे एक किनारे खड़े हो चारों तरफ देखने लगे। उनकी नजर लाइन में लगे लोगों से टकराई। एक इशारा आया। उन्होंने संकेत भाषा में उत्तर दिया। तब वह आदमी दो कदम आगे बढ़ा। चार-छः कटोरी प्लेट में रखी और उनमें रायता भरकर बाहर आ गया। मुझे आश्चर्य हुआ। एक ही जगह से बाहर कैसे आ गया? उस आदमी ने आगे खड़े दो-तीन लोगों को संकेत किया। उन्होंने भी संकेत में अपना अभिप्राय बताया, फिर वे लोग एक-एक कर बाहर आकर खड़े हो गए। मैंने देखा एक की कटोरियों में पनीर की सब्जी भरी है और साथ में दस-पंद्रह रोटियां। दूसरे की कटोरियों में रसगुल्ले ही भरे पड़े हैं और तीसरे की प्लेट में चावल या उसे पुलाव कहा जाए पूरी तरह लबालब भरा हुआ है। चौथे आदमी की प्लेट में आठ-दस कटोरियों में खीर थीं। अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।' मैं भी उनके साथ खड़ा था। उन्होंने मुझ पर दया कर कुछ चीजें मेरी प्लेट में रख दीं।

अब सबके साथ मैं भी खाने लगा पर धीरे-धीरे। तब उनमें से एक ने कहा, 'भाई साहब, संकोच मत करिए, दिल खोलकर खाइए। हम मेहनत का खा रहे हैं। आप तो निश्चिंत होकर खाएं। इस सुरुचि भोज को हम लोग सहभागी भोज बनाकर एक पिकनिक सा आनंद लेते हैं।' तब मैंने उनसे कहा, 'आज का कार्यक्रम बहुत अच्छा रहा।' उनमें से दूसरा बोला, 'कार्यक्रम! हमें तो समझ में नहीं आया, हमारा पूरा ध्यान कार्यक्रम के बाद भोज में ही रहा। भोजन अच्छा, तो कार्यक्रम अच्छा। अन्यथा सब बेकार है। आखिर हम लोग खाना खाने के लिए ही तो जीते हैं और जीने के लिए ही खाते हैं। हमारे यहां कहावत है-भूखे भजन न होय गोपाला।' यह कह वे चुप होकर मुझे देखने लगे और मैं उन्हें। *

अनोखा शहर
शिखर चंद जैन

# बहुत अजब-अनूठा है आइस सिटी हार्बिन

भारत के पड़ोसी मुल्क चीन का शहर हार्बिन अपने आप में कई सारी खूबियां समेटे हुए है। 'आइस सिटी' यानी 'बर्फ का शहर' नाम से मशहूर यह शहर अपने ठंडे-बर्फीले वातावरण के साथ-साथ यहां के दर्शनीय स्थलों और विभिन्न आयोजनों की वजह से दुनिया भर में मशहूर है।

कभी-कभी आपके मन में ख्याल आता होगा कि कितना अच्छा हो कि इस चिलचिलाती धूप और झुलसा देने वाली गर्मी से बचने के लिए हम किसी बर्फ के शहर में पहुंच जाएं। यह सिर्फ किस्सों-ख्यालों की बात नहीं है। दुनिया में वास्तव में मौजूद है एक ऐसा ठिकाना जो कहलाता है, बर्फ का शहर। जी हां, हम बात कर रहे हैं चीन में बसे अनूठे शहर हार्बिन की।

**हार्बिन का इतिहास:** इस अनूठे शहर की स्थापना रूस द्वारा एक बस्ती के रूप में की गई थी। इसका निर्माण व्लादिवोस्तोक और रूसी पोर्ट आर्थर (अब डालियान) के बीच रेलवे

(1896-1904 में निर्मित) को सपोर्ट देने के लिए किया गया था। यह कभी सोंगहुआ नदी पर स्थित एक साधारण गांव था, जहां के वाशिंदों की आजीविका का मुख्य साधन मछली पकड़ना था। बाद में बड़ी संख्या में रूसी और यूरोपीय प्रवासी हार्बिन में आए, जिससे शहर में विदेशी संस्कृति और स्वाद आया। ये लोग अपने साथ अपनी यूरोपीय परंपराएं और मान्यताएं भी लेकर आए। इन्हीं सब कारणों से हार्बिन का रंग-ढंग और यहां की संस्कृति बदली।

**मिली-जुली संस्कृति:** 'आइस सिटी' यानी 'बर्फ का शहर' के नाम से मशहूर हार्बिन, चीन के हेइलोंगजियांग प्रांत की राजधानी है। यहां की संस्कृति, वास्तुकला और जीवनशैली रूस, जापान समेत यूरोप और एशिया के कई देशों से प्रभावित है। हार्बिन पर्यटन की दृष्टि से दुनिया के लोकप्रिय स्थलों में से एक है। वास्तुकला के उत्कृष्ट नमूने जैसे- पुराना क्वार्टर, सेंट सोफिया कैथेड्रल, सेंट्रल एवेन्यू (पैदल यात्री सड़क), स्टालिन पार्क आदि यहां के खास आकर्षण हैं।

**इस वजह से रहता है ठंडा:** आप सोच रहे होंगे कि हार्बिन का मौसम इतना बर्फीला, इतना ठंडा क्यों है? दरअसल, साइबेरिया और मंगोलियाई पठार से ठंडी हवा पूर्व और दक्षिण की ओर यानी सीधे हार्बिन के ऊपर से बहती हैं, जिससे हार्बिन एक 'बर्फीला शहर' बन जाता है। इसके अलावा, हार्बिन एक तटीय शहर नहीं है। यह जापान सागर से 500 किमी से अधिक दूर है, इसलिए प्रशांत महासागर की गर्म धाराओं से कम ही प्रभावित होता है। इसलिए हार्बिन पश्चिमी यूरोप और जापान के शहरों की तुलना में अधिक ठंडा होता है। हार्बिन में सबसे ठंडा महीना जनवरी होता है, जब यहां का तापमान औसतन माइनस 18 डिग्री सेल्सियस (0 डिग्री फारेनहाइट) होता है।

**हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड:** यहां का सबसे लोकप्रिय स्थान हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड है, जो एक जमे हुए डिजनीलैंड की तरह दिखता है। इसमें आप बर्फ के महल, कार्टून, मूर्तियां देख सकते हैं और बर्फ के खेल और गतिविधियों की विविधता का आनंद ले सकते हैं। हार्बिन का आइस पार्क लगभग 8,10,000 वर्ग मीटर में फैला है, जो असंख्य मानव-निर्मित बर्फ की मूर्तियों, महलों एवं अन्य आकृतियों से सुसज्जित है। सूर्यास्त के बाद कृत्रिम रोशनी से जगमगाती ये मूर्तियां और आकृतियां पारंपरिक चीनी शैली की इमारतों से लेकर आकर्षक परीकथा महल और बीजिंग के स्वर्ग के मंदिर की याद दिलाती हैं। इसे सोंगहुआ नदी की लगभग 250,000 घन मीटर बर्फ से तैयार किया गया है। यहां दुनिया के सबसे बड़े बर्फ महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

**अनोखा है बर्फ महोत्सव:** हार्बिन अंतरराष्ट्रीय बर्फ और बर्फ मूर्तिकला महोत्सव यहां आने वाले पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। यहां 300 फुटबॉल मैदानों के बराबर क्षेत्रफल में एक 'आइस सिटी' बनाई जाती है, जिसमें लगभग 500 मिलियन डॉलर की लागत आती है। इस बर्फीले परिदृश्य के बीच, पर्यटक स्कीईंग के साथ-साथ बर्फ पर बाइकिंग का भी आनंद ले सकते हैं। बर्फ महोत्सव के दौरान यहां का तापमान माइनस 35 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। हार्बिन का बर्फ महोत्सव पर्यटकों और फोटोग्राफरों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

**अन्य गतिविधियां:** बर्फ महोत्सव में पर्यटक पांच अलग-अलग थीम पार्कों का भ्रमण कर सकते हैं। ये थीम पार्क हैं- सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो, हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड, हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड, झाओलिन पार्क आइस लैंटर्न आर्ट फेयर और सोंगहुआ रिवर आइस एंड स्नो कार्निवल। सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो में दुनिया भर के कलाकारों द्वारा बनाई गई विशाल बर्फ की मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं। हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड और झाओलिन पार्क आइस लैंटर्न आर्ट फेयर में आकर्षक आइस लैंटर्न प्रदर्शन किए जाते हैं। हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड में एक हजार से अधिक रोशन लालटेन और सैकड़ों मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं, जिनमें स्थानीय लोगों और कॉलेज के छात्रों द्वारा जटिल नक्काशीदार आर्ट्स शामिल हैं। झाओलिन पार्क, जहां आइस लैंटर्न शो और गार्डन पार्टी का आयोजन किया जाता है, शाम को रंगीन लालटेन से आगंतुकों को चकाचौंध कर देता है, साथ ही यहां लाइव बर्फ-नक्काशी प्रतियोगिताएं भी होती हैं। रोमांच पसंद करने वालों के लिए, बर्फ की चट्टान पर चढ़ना, बर्फ पर तीरंदाजी, बर्फ पर गोल्फ और स्नोबॉल की लड़ाई जैसी गतिविधियां भी यहां होती हैं। हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड, इस आयोजन का सबसे जीवंत स्थल है, जहां स्केटिंग, स्कीइंग, बर्फ की भूल-भुलैया और बर्फ पर बाइकिंग की सुविधा भी है। रोमांच चाहने वाले सुपर स्लाइड पर रोमांचक सवारी का आनंद ले सकते हैं, जिनमें से कुछ 1,000 फीट तक ऊंचे हैं। *

### मिला संगीत शहर का खिताब

**हार्बिन में** संगीत की ऐतिहासिक एवं समृद्ध परंपरा रही है। यहां संगीत को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर संगीत के विविध आयोजन किए जाते हैं। साल 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे संगीत का शहर घोषित किया गया था।

### प्रमुख रेलवे केंद्र

**हार्बिन पूर्वोत्तर** चीन का प्रमुख उत्तरी रेलवे केंद्र है। साथ ही यह चीन और पूर्वोत्तर एशिया को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण रेलवे केंद्र है। चीन के पूर्वी रेलवे के निर्माण के क्रम में हार्बिन का विकास हुआ, इसलिए चीनी कहते हैं कि हार्बिन 'ट्रेनों द्वारा परिवहन किया जाने वाला शहर' है।

# सेल्फ ग्रोथ के लिए अच्छी नहीं दूसरों में कमी खोजने की आदत

कुछ लोग हमेशा दूसरों में कमियां खोजते रहते हैं। इससे वे स्वयं में जरूरी बदलाव नहीं कर पाते हैं। इस बैड हैबिट के क्या नुकसान हो सकते हैं और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए, बहुत उपयोगी सलाह।

मोटिवेशन
शिखर चंद जैन

एक कहावत है कि अगर आपको हर किसी में खोट और कमी नजर आती है तो कमी दूसरों में नहीं बल्कि आप में है। इसका मतलब यह है कि आप ऐसे लोगों में से एक हैं, जिन्हें चांद में दाग दिखता है लेकिन उसका धवल प्रकाश, शीतल चांदनी और लुभावना आकार नजर नहीं आता। आपको गुलाब में कांटे दिखते हैं, लेकिन उसकी मनभावन खुशबू को आप महसूस नहीं कर पाते। इसके विपरीत जब आप दूसरों की विशेषताएं उनकी सफलता, समृद्धि और अच्छी आदतों को देखना और जज्ब करना सीख जाते हैं तो आप खुद की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने लगते हैं। आप आगे बढ़ना चाहते हैं तो दूसरों की अच्छाइयों को अपनाएं और अपनी कमियों को पहचान कर उन्हें दूर करें।

**कोसना बंद करें:** कुछ कारणों से अगर आप वांछित तरक्की नहीं कर पाए हैं या अपने लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए हैं तो इसके लिए दूसरों को दोष देना या अपनी तकदीर को कोसना बंद करें। हर सुबह एक नई ऊर्जा, स्वप्रेरणा और फोकस के साथ उठें और अपनी तरक्की के लिए स्वयं सचेष्ट होने का प्रण लें। नकारात्मक विचारों को मन से निकाल फेकें और दूसरों को नियंत्रित करने के ख्याल मन में लाने की बजाय अपने क्रिया-कलाप को नियंत्रित करें ताकि आप सही दिशा में कार्यशील रहें।

**नजरिया रखता है मायने:** हमारा दिमाग चीजों को कैसे देखता है उस पर भी हमारे जीवन का बेहतर होना निर्भर करता है। मैसाचूसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस की प्रोफेसर टेलीशेरोट कहती हैं कि जिंदगी को बेहतर बनाने के प्रयासों के साथ-साथ हमें इसे बेहतर तरीके से देखना भी सीखना होगा। इसके लिए हमें अपने आस-पास मौजूद हमारे घर में उपलब्ध उन चीजों और लोगों का महत्व समझना होगा, जो न होतीं तो हमारा जीवन कैसा होता? फिर इस बात पर गौर करना होगा कि कौन से छोटे-छोटे बदलाव हमें बेहतर बना सकते हैं?

**एवरेज मानसिकता से उबरें:** अगर आपको आगे बढ़ना है और उन चंद लोगों की सूची में खुद को देखना है, जो आमजन से अलग और ऊपर हैं तो आपको 95 फीसदी लोगों की नहीं सफलतम 5 फीसदी लोगों की आदतों को अपनाना होगा। जाने-माने मोटिवेशनल लेखक रॉबिन शर्मा ने अपनी पुस्तक 'द 5 एएम क्लब' में लिखा है कि अपने दिन की शुरुआत एक लक्ष्य और ऊर्जा के साथ करें। केवल मानसिकता और आशावाद पर ही निर्भर ना रहें। इन सबके साथ-साथ संतुलन पर भी ध्यान दें। अपने स्वास्थ्य, मन और आत्मा पर भी ध्यान दें और उनकी ताकत का इस्तेमाल करें।

**इस प्रवृत्ति से स्वयं को रोकें:** विशेषज्ञ कहते हैं कि हम अपने आस-पास के लोगों की बेकार में ही कमियां ढूंढते रहते हैं, जबकि उनसे हमारा कोई लेना-देना नहीं होता। इसके लिए आपको सतर्क रहना होगा। खासकर तब जब आप किसी के रूप, रंग और व्यवहार को लेकर नकारात्मक धारणाएं बना रहे होते हैं। मनोचिकित्सक कहते हैं कि जब आप किसी की आलोचना करें या कमियां निकालें तो सबसे पहले खुद का आकलन करें।

**इस आदत के नुकसान:** हमेशा दूसरों में कमियां ढूंढने से आपकी सहानुभूति और समानुभूति से जुड़ी समझ और भावनाएं धुंधली पड़ सकती हैं। नए दृष्टिकोण के प्रति आपकी ग्रहणशीलता कम हो जाती है। आप यह सोच ही नहीं पाते कि आपसे अलग भी कोई सोच सही और उपयोगी हो सकती है। आप हमेशा तुरंत प्रतिक्रिया करने की ओर अधिक प्रवृत्त हो सकते हैं। आपको लगने लगता है कि आप किसी की जितनी ज्यादा कमियां ढूंढेंगे आपको उतना ही ज्यादा बेहतर महसूस होगा। इससे आपकी सोच प्रभावित होगी और ग्रोथ प्रभावित होगी। *

### लोगों को जज ना करें

**अकसर व्यवहारगत** कारण हमारी तरक्की की राह में रुकावट बनते हैं। सफल लोगों की कुछ खास आदतें विनम्रता, परोपकार और मिलनसारिता उन्हें आगे ले जाती हैं। 'व्हाट गॉट यू हियर वॉन्ट गेट यू देयर' के लेखक मार्शल गोल्डस्मिथ कहते हैं कि सफल लोगों के विचार ठोस होते हैं और उन्होंने अपने लिए ऊंचे मानक तय किए होते हैं। इसलिए अपनी आदतों के प्रति सजग रहें। लोगों को थैंक यू बोलना सीखें और सुनने की कला विकसित करें।

रोचक / अपराजिता

समय की सटीक गणना करना हमें जितना आसान लगता है, उतना होता नहीं है। इसमें कई फैक्टर्स काम करते हैं। समय की सटीक गणना करने की प्रक्रिया कब कैसे शुरू हुई, जानिए।

# आज भी आसान नहीं है समय की सटीक गणना

अगर आपने कभी समय की सटीक सूक्ष्मता पर गंभीरता से नहीं सोचा तो एक मायने में कहना होगा कि आप समझदार और व्यावहारिक व्यक्ति हैं, क्योंकि भले आम आदमी के लिए आज टाइम या समय जानना बेहद आसान हो। हम मोबाइल से लेकर लैपटॉप तक कहीं भी एक नजर डालकर पलक झपकते समय जान लेते हों। लेकिन अगर आप समय को भौतिक विज्ञान की नजर से समझने में रुचि रखते हैं तो समझ लीजिए आपके लिए सही समय जानना, वाकई रॉकेट साइंस जैसा जटिल हो जाएगा। जी हां, तकनीक के इस अतिविकसित काल में भी सही समय जानना और लगातार सही समय के साथ संपर्क में रहना कितना जटिल है, इसे वही लोग जानते हैं, जिन्हें हम टाइम कीपर कहते हैं।

**इसलिए होता है कठिन:** सटीक समय जानना इसलिए कठिन होता है क्योंकि समय की सटीकता केवल घड़ी देखने तक सीमित नहीं होती है, बल्कि यह वैश्विक संचार, नेविगेशन, वित्तीय लेन-देन और वैज्ञानिक अनुसंधानों से गहराई से जुड़ी हुई स्थिति है। टाइमकीपर्स के लिए यह एक बड़ी चुनौती इसलिए होती है, क्योंकि समय का प्रवाह पूर्णतः स्थिर नहीं होता। सापेक्षता के सिद्धांत के अनुसार, गुरुत्वाकर्षण और गति का प्रभाव भी समय को थोड़ा बहुत प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, पृथ्वी की सतह की तुलना में उपग्रहों पर लगी घड़ियां थोड़ा अलग गति से चलती हैं। साथ ही पृथ्वी की घूर्णन गति में छोटे-छोटे परिवर्तन होते हैं, जिससे कभी-कभी 'लीप सेकेंड' जोड़ना पड़ता है। दुनिया भर को हर पल सही समय के साथ रखने के लिए परमाणु घड़ियों के नेटवर्क को सिंक करना जरूरी होता है, क्योंकि जीपीएस, इंटरनेट, बैंकिंग सिस्टम और टेलीकॉम नेटवर्क इसी सटीक वैश्विक समय पर निर्भर करते हैं। इस सबके लिए माइक्रोसेकेंड (1 सेकेंड का दस लाखवां भाग) के स्तर की सटीकता चाहिए होती है, जो बनाए रखना किसी भी क्षण आसान नहीं होता है।

**इसलिए सटीकता है जरूरी:** आज के दौर में समय की सटीकता का रिश्ता, साइबर सुरक्षा से भी जुड़ गया है। आधुनिक समय-संकेतों को साइबर हमले से सुरक्षित रखना जरूरी है। यदि किसी देश का टाइम-सिग्नल हैक हो जाए, तो बैंकिंग, इंटरनेट और सैन्य सिस्टम प्रभावित हो सकते हैं। समय को सटीकता के पैमाने पर खरा बनाए रखने के लिए भिन्न समय मानकों के साथ सौ फीसदी सटीक तालमेल जरूरी होता है। आज इंसान को हर पल जो यह सटीक समय जानने की सुविधा है, वह कई शताब्दियों के वैज्ञानिक प्रयासों का नतीजा है। लेकिन इसे बनाए रखना लगातार जटिल होता जा रहा है, खासकर जब माइक्रोसेकेंड और नैनोसेकेंड की सटीकता की जरूरत बढ़ती जा रही हो। *

## सही समय जानने की यात्रा

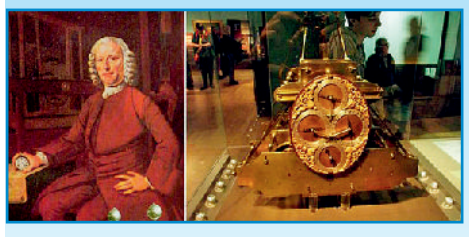

**इंसान को** सटीक समय जानने की सुविधा कब और कैसे मिली? इस सवाल का जवाब है, प्राचीन काल में कई प्रयोगों के बाद यह सौगात हासिल हुई है। पहले सूर्यघड़ी और जलघड़ी जैसी तकनीकों से समय मापा जाता था, लेकिन ये मौसम और भौगोलिक स्थितियों पर निर्भर हुआ करती थी। इसके बाद आया यांत्रिक घड़ियों का युग (13वीं-14वीं सदी)। सबसे पहले यूरोप में यांत्रिक घड़ियां बनीं, लेकिन इनमें लाख कोशिशों के बावजूद कुछ मिनटों का फर्क रह जाता था। इन्हीं दिनों यानी अठारहवीं शताब्दी में समुद्री यात्रा में सटीक समय जानना अनिवार्य हो गया, क्योंकि तभी समुद्री जहाज अपनी सही स्थिति जान सकते थे। इस सिलसिले में सन 1761 में जॉन हैरिसन ने पहला समुद्री क्रोनोमीटर बनाया, जिससे सटीक समय मापना संभव हुआ।

**समय का** पहिया आगे बढ़ा फिर 19वीं सदी में रेलवे और टेलीग्राफ का युग आया। आगे चलकर ट्रेनों के समय समन्वय के लिए भी सटीक समय जानना जरूरी हो गया। सन 1884 में पहली बार वैश्विक समय-क्षेत्र यानी टाइम जोन बनाए गए। साथ ही इसी दौर में टेलीग्राफ नेटवर्क ने एक घड़ी को दूसरी से जोड़कर सही समय पहुंचाने में मदद की। सही समय जानने का अगला तरीका था परमाणु घड़ी। बीसवीं सदी का यह समय सचमुच अल्ट्रा-सटीक समय था। सन 1949 में पहली परमाणु घड़ी बनी, जिसने

माइक्रोसेकेंड स्तर की सटीकता दी। इससे भी आगे 1967 में सेसियम परमाणु घड़ी के आधार पर सेकेंड को परिभाषित किया गया। भला तब कौन जानता था कि आने वाले दिनों में जीपीएस और इंटरनेट आने वाला है, जिसके लिए टाइम की नैनो सेकेंड तक की सटीकता की दरकार होगी। आज जीपीएस सैटेलाइट्स परमाणु घड़ियों का उपयोग करके हमें सटीक समय देते हैं। आज इंटरनेट टाइम प्रोटोकॉल से दुनिया भर के कंप्यूटर और स्मार्टफोन सही समय सिंक कर पाते हैं।

जंतु-जगत
रजनी अरोड़ा

# विलुप्ति की कगार पर हैं ये जंतु प्रजातियां

दुनिया में कई जीव-जंतु की प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। इनकी संख्या दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुके ऐसे ही कुछ संकटग्रस्त पशु-पक्षियों के बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

### हॉक्सबिल टर्टल

इस समुद्री कछुए का शिकार इसके खूबसूरत कवच के लिए किया जाता है। समुद्री प्रदूषण और आवास विनाश भी इसके लिए खतरा है। दुनिया में इनकी अनुमानित संख्या 8,000-10,000 है।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी पर जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों की ज्ञात प्रजातियों की संख्या लगभग तेरह लाख है, जिनमें से हम तकरीबन 14 प्रतिशत के बारे में ही जानते हैं। लेकिन अब एक लाख से अधिक प्रजातियों पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। मानव की बढ़ती जरूरतों की खातिर जंगलों की अंधाधुंध कटाई, जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आवास का अतिक्रमण, उनका अवैध शिकार और उनके विभिन्न अंगों की तस्करी या व्यापार, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन... ऐसी अनेक वजहों से कई जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ और अन्य जैव संरक्षण संगठनों के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार दुनिया में जीव-जंतुओं की एक लाख से अधिक प्रजातियां संकट में हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

**अमूर तेंदुआ:** यह दुनिया का सबसे दुर्लभ तेंदुआ प्रजाति है, जो रूस और चीन के सीमावर्ती जंगलों में पाए जाते हैं। इनकी कुल संख्या केवल 100 के आस-पास बची है। इसके सुंदर धब्बेदार फर के लिए इसका शिकार किया जाता है। इसके अलावा जंगलों की कटाई और इनब्रीडिंग की वजह से भी इसका अस्तित्व संकट में है।

**सुमात्रन गैंडा:** यह दुनिया का सबसे छोटा और दो सींग वाला गैंडा है, जो अब केवल

इंडोनेशिया के कुछ इलाकों व सुमात्रा द्वीप में बचे हैं। इनके भी लगभग 80 सदस्य ही बचे हैं। शिकार और आबादी का विखंडन इसके लिए मुख्य खतरे हैं।

**बोर्नियन-सुमात्रन ओरंग उटान:** ये एशिया के वर्षावनों में पाए जाते हैं। जंगलों की कटाई (खासकर पाम ऑयल के लिए), शिकार और आगजनी की वजह से इनकी संख्या तेजी से घट रही है। इंडोनेशिया के सुमात्रा में लगभग 14,000 ओरंग उटान बचे हैं।

**क्रॉस रिवर गोरिल्ला:** यह अफ्रीका के कुछ जंगलों में पाया जाता है। ये अब मात्र 250-300 की संख्या में बचे हैं। आवास विनाश और शिकार की वजह से इनका अस्तित्व खतरे में है।

**व्हेल शार्क:** दुनिया का सबसे बड़ा स्तनपायी जंतु व्हेल शार्क, शिकार और समुद्री प्रदूषण के कारण संकट में है। दुनिया

में इनकी अनुमानित संख्या 10,000-20,000 के बीच है।

**पैंगोलिन:** एशिया और अफ्रीका में मिलने वाला यह स्केलयुक्त स्तनपायी दुनिया में सबसे ज्यादा तस्करी किया जाता है। ऊंचे दामों पर बिकने वाले इनके स्केल पाने की वजह से इनका शिकार किया जाता है, जिससे इनके विलुप्त होने का खतरा बढ़ गया है।

अनुमान है कि पिछले दशक 10 लाख से ज्यादा पैंगोलिन तस्करी के शिकार हुए।

**गंगा डॉल्फिन:** भारत और पड़ोसी देशों की नदियों में पाई जाने वाली यह डॉल्फिन जल प्रदूषण, बांध और शिकार के कारण संकटग्रस्त है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश की नदियों में 3,500-4,000 डॉल्फिन रह गई हैं।

**ग्रेट इंडियन बस्टर्ड:** यह विशाल पक्षी राजस्थान और गुजरात के शुष्क क्षेत्रों में पाया जाता है। इसकी संख्या अब 150 से भी कम रह गई है। यह भारत के सबसे संकटग्रस्त पक्षियों में गिना जाता है। बिजली के तारों से टकराना और अवैध शिकार इसके प्रमुख खतरे हैं। *

### बंगाल टाइगर

भारत का राष्ट्रीय पशु बंगाल टाइगर, विश्व की सबसे प्रतिष्ठित बड़ी बिल्ली प्रजातियों में से एक है। यह मुख्य रूप से संरक्षित क्षेत्रों जैसे सुंदरबन, काजीरंगा, बांधवगढ़, रणथंभौर और कॉर्बेट में पाया जाता है। 20वीं सदी के मध्य तक इसकी संख्या बहुत तेजी से गिर गई थी। आज इनकी संख्या तकरीबन 4 हजार रह गई है। इनकी घटती संख्या का कारण है, खाल के लिए इनका शिकार किया जाना।